FREE DEMO SAMPLE

# Guessing Paper 2026-27 Demo Set

## B.Com. · Semester 5 · Auditing

SMKV Bastar — शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर

### यह सिर्फ़ एक डेमो सेट है 📘

इस डेमो से आप हमारे उत्तरों की क्वालिटी और पेपर का फ़ॉर्मेट देख सकते हैं। **असली 3 पूरे Guessing Paper सेट** (Set A, B, C) सिर्फ़ **Pariksha Pass App** में मिलते हैं:

- हर विषय के **3 पूरे सेट** — Most Probable, Highly Likely और Alternate
- हर प्रश्न का **सटीक मॉडल उत्तर** — हिंदी और English दोनों में
- **Year Tag** — जो प्रश्न पहले यूनिवर्सिटी परीक्षा में आ चुके हैं
- आपकी **यूनिवर्सिटी के पैटर्न** पर — पूरा सिलेबस कवर

**▶ Pariksha Pass App डाउनलोड करें**
**यहाँ टैप करें — Google Play पर उपलब्ध**

QR स्कैन करें

इस डेमो के प्रश्न असली Set A/B/C से नहीं लिए गए हैं। कोई भी पेपर परीक्षा में प्रश्न आने की गारंटी नहीं देता — इसे पाठ्यपुस्तक के साथ अभ्यास के लिए उपयोग करें। · Free sample shared on cguniversities.com

Paper Code: **COSC-14**
Demo Set

Roll No. | | | | | | | | | |

# SHAHEED MAHENDRA KARMA VISHWAVIDYALAYA, BASTAR (C.G.)
## शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर (छ.ग.)

**B.Com. (Fifth Semester) Examination, Nov.–Dec. 2026**
**बी.कॉम. (पंचम सेमेस्टर) परीक्षा, नवम्बर–दिसम्बर 2026**

# AUDITING
# अंकेक्षण

| Time / **समय** : 3 Hours | Maximum Marks / **पूर्णांक** : 70 |
|---|---|

***DEMO SAMPLE – not from the actual sets · prepared by Online Student Seva for the Pariksha Pass App · not an official University question paper***

**Instructions:**

1. Section A: Q.1 (objective) is compulsory. All 5 short-answer questions in Q.2 are compulsory.
2. Section B: attempt **one** question from each unit (Q.3 to Q.6); each has an internal choice.
3. Figures in the right margin show full marks. Draw neat, labelled diagrams wherever necessary.

**निर्देश :** खण्ड-अ में प्रश्न 1 अनिवार्य है; प्रश्न 2 के सभी 5 प्रश्न अनिवार्य हैं। खण्ड-ब में प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न हल करें (प्रश्न 3 से 6), सभी में आंतरिक विकल्प है। दाईं ओर के अंक पूर्णांक दर्शाते हैं। आवश्यकतानुसार स्वच्छ व नामांकित चित्र बनाएँ।

## SECTION – A / खण्ड – अ

**Q.1** **Choose the correct answer.** सही उत्तर चुनिए। 10 × 1 = 10

**(1)** An 'Emphasis of Matter' paragraph in the auditor's report is used to:
अंकेक्षक की रिपोर्ट में 'विषय पर बल' (Emphasis of Matter) अनुच्छेद का प्रयोग किसलिए होता है?

(a) express a qualified opinion / सशर्त मत देने के लिए
(b) draw attention to a matter already properly disclosed that is fundamental to users' understanding / ऐसे विषय की ओर ध्यान दिलाने के लिए जो पहले से उचित रूप से प्रकट है और उपयोगकर्ताओं की समझ के लिए मूलभूत है
(c) disclaim the opinion / मत देने से इनकार करने के लिए
(d) criticise the management / प्रबंधन की आलोचना करने के लिए

**(2)** Which of the following audit evidence is generally the MOST reliable?
निम्नलिखित में से कौन-सा अंकेक्षण प्रमाण सामान्यतः सबसे अधिक विश्वसनीय होता है?

(a) A verbal explanation given by the accountant / लेखाकार द्वारा दिया गया मौखिक स्पष्टीकरण
(b) A photocopy of a supplier's invoice held by the client / क्लाइंट के पास रखी आपूर्तिकर्ता के बीजक की फोटोकॉपी
(c) A bank confirmation received directly by the auditor / अंकेक्षक को सीधे प्राप्त बैंक पुष्टि
(d) A schedule prepared by the management / प्रबंधन द्वारा तैयार किया गया विवरण

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

**(3)** Which of the following is NOT a fundamental ethical principle for a professional accountant?
निम्नलिखित में से कौन-सा पेशेवर लेखाकार का मूलभूत नैतिक सिद्धांत नहीं है?

(a) Integrity / सत्यनिष्ठा
(b) Objectivity / वस्तुनिष्ठता
(c) Maximising the client's profit / क्लाइंट का लाभ अधिकतम करना
(d) Confidentiality / गोपनीयता

**(4)** 'The susceptibility of an account balance to material misstatement before considering any related controls' is called:
'संबंधित नियंत्रणों पर विचार करने से पहले किसी खाता-शेष के भौतिक रूप से गलत होने की संवेदनशीलता' कहलाती है:

(a) Detection risk / अन्वेषण जोखिम
(b) Control risk / नियंत्रण जोखिम
(c) Sampling risk / प्रतिचयन जोखिम
(d) Inherent risk / अंतर्निहित जोखिम

**(5)** Tests of control are performed mainly to obtain evidence about:
नियंत्रण परीक्षण मुख्यतः किस बारे में प्रमाण पाने के लिए किए जाते हैं?

(a) the operating effectiveness of internal controls / आंतरिक नियंत्रणों की संचालन-प्रभावशीलता
(b) the physical existence of inventory / स्टॉक के भौतिक अस्तित्व
(c) the market value of investments / निवेशों के बाज़ार मूल्य
(d) the amount of share capital / अंश पूँजी की राशि

**(6)** Under Section 143(12) of the Companies Act, 2013, an auditor must report to the Central Government a fraud against the company involving an amount of:
कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(12) के अंतर्गत अंकेक्षक को कंपनी के विरुद्ध किस राशि की धोखाधड़ी की सूचना केंद्र सरकार को देनी होती है?

(a) any amount, however small / कितनी भी छोटी राशि
(b) Rs 10 lakh or above / 10 लाख रुपये या उससे अधिक
(c) Rs 1 crore or above / 1 करोड़ रुपये या उससे अधिक
(d) Rs 100 crore or above / 100 करोड़ रुपये या उससे अधिक

**(7)** Which of the following is disqualified from being appointed as an auditor of a company under Section 141?
धारा 141 के अंतर्गत निम्नलिखित में से कौन कंपनी के अंकेक्षक के रूप में नियुक्त होने के लिए अयोग्य है?

(a) A chartered accountant holding a certificate of practice / व्यवसायरत प्रमाणपत्र धारक चार्टर्ड अकाउंटेंट
(b) A firm of chartered accountants / चार्टर्ड अकाउंटेंटों की फर्म
(c) A body corporate / निगमित निकाय
(d) A partner-owned firm whose partners are practising chartered accountants / वह भागीदारी फर्म जिसके भागीदार व्यवसायरत चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं

**(8)** An audit firm prepares a company's financial statements and then audits the same statements. Which threat to independence does this create?
एक अंकेक्षण फर्म किसी कंपनी के वित्तीय विवरण तैयार करती है और फिर उन्हीं विवरणों का अंकेक्षण करती है। इससे स्वतंत्रता के लिए कौन-सा खतरा बनता है?

(a) Self-review threat / स्व-समीक्षा का खतरा
(b) Intimidation threat / डराने का खतरा
(c) Advocacy threat / पैरवी का खतरा
(d) Familiarity threat / परिचय का खतरा

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

**(9)** The Comptroller and Auditor General of India is appointed under which Article of the Constitution?
भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत होती है?

(a) Article 124 / अनुच्छेद 124 (b) Article 148 / अनुच्छेद 148
(c) Article 280 / अनुच्छेद 280 (d) Article 324 / अनुच्छेद 324

**(10)** Software that automatically selects every transaction above a set value or with unusual patterns for audit review is an example of:
वह सॉफ्टवेयर जो निर्धारित मूल्य से अधिक या असामान्य ढंग के सभी लेन-देन अपने आप समीक्षा हेतु चुन ले, किसका उदाहरण है?

(a) manual vouching / हाथ से प्रमाणन
(b) inventory observation / स्टॉक का अवलोकन
(c) external confirmation / बाहरी पुष्टि
(d) a computer-assisted audit technique (CAAT) / कंप्यूटर-सहायित अंकेक्षण तकनीक (CAAT)

**Q.2** **Answer the following questions.** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5 × 4 = 20

**(a)** Write a short note on materiality in auditing. 4
अंकेक्षण में भौतिकता (मैटेरियलिटी) पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

**(b)** Distinguish between routine checking and test checking. 4
नियमित जाँच और परीक्षण जाँच में अंतर कीजिए।

**(c)** What are 'Key Audit Matters' in the auditor's report? 4
अंकेक्षक की रिपोर्ट में 'प्रमुख अंकेक्षण विषय' (Key Audit Matters) क्या हैं?

**(d)** Write a short note on the audit trail (edit log) requirement in accounting software. 4
अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर में ऑडिट ट्रेल (एडिट लॉग) की आवश्यकता पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

**(e)** Explain the rotation of auditors under Section 139 of the Companies Act, 2013. 4
कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 139 के अंतर्गत अंकेक्षकों के रोटेशन की व्याख्या कीजिए।

## SECTION – B / खण्ड – ब

Long answer questions · one question from each unit with internal choice / **दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

**Q.3** Explain the fundamental ethical principles that govern an auditor. What are the threats to an auditor's independence and the safeguards against them? 10
अंकेक्षक को संचालित करने वाले मूलभूत नैतिक सिद्धांतों को समझाइए। अंकेक्षक की स्वतंत्रता के लिए कौन-से खतरे हैं और उनसे बचाव के उपाय क्या हैं?

**OR / अथवा**

Discuss the nature of an auditor's duty of care and skill with reference to leading court decisions. Is an auditor a 'watchdog' or a 'bloodhound'?
अंकेक्षक के सावधानी और कौशल के कर्तव्य की प्रकृति पर प्रमुख न्यायिक निर्णयों के संदर्भ में चर्चा कीजिए। क्या अंकेक्षक 'पहरेदार कुत्ता' है या 'शिकारी कुत्ता'?

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

**Q.4** What is audit risk? Explain its components (inherent risk, control risk and detection risk) and show how the auditor uses the audit risk model with a numerical illustration. 10
अंकेक्षण जोखिम क्या है? इसके घटकों (अंतर्निहित जोखिम, नियंत्रण जोखिम और अन्वेषण जोखिम) को समझाइए और संख्यात्मक उदाहरण से अंकेक्षण जोखिम मॉडल का उपयोग दिखाइए।

**OR / अथवा**

How does an auditor evaluate the internal control system? Explain the internal control questionnaire, checklist and flow chart, and distinguish between tests of control and substantive procedures.
अंकेक्षक आंतरिक नियंत्रण प्रणाली का मूल्यांकन कैसे करता है? आंतरिक नियंत्रण प्रश्नावली, जाँच-सूची और प्रवाह-चार्ट को समझाइए तथा नियंत्रण परीक्षण और सारगत प्रक्रियाओं में अंतर कीजिए।

**Q.5** What are Standards on Auditing (SAs)? Explain their need, legal status in India and the main groups of standards with examples. 10
अंकेक्षण मानक (SAs) क्या हैं? उनकी आवश्यकता, भारत में उनकी कानूनी स्थिति और मानकों के मुख्य समूहों को उदाहरणों सहित समझाइए।

**OR / अथवा**

Explain joint audit and branch audit. How are the responsibilities divided among joint auditors and what are the duties of a branch auditor?
संयुक्त अंकेक्षण और शाखा अंकेक्षण को समझाइए। संयुक्त अंकेक्षकों में ज़िम्मेदारियाँ कैसे बँटती हैं और शाखा अंकेक्षक के कर्तव्य क्या हैं?

**Q.6** Explain the role of the Comptroller and Auditor General (CAG) of India. Discuss the types of government audit and the performance audit conducted by the CAG. 10
भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) की भूमिका समझाइए। CAG द्वारा किए जाने वाले सरकारी अंकेक्षण के प्रकारों और निष्पादन अंकेक्षण की चर्चा कीजिए।

**OR / अथवा**

Discuss how data analytics, artificial intelligence and automation are changing the audit process. What benefits and risks do they bring for the auditor?
चर्चा कीजिए कि डेटा एनालिटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वचालन अंकेक्षण प्रक्रिया को कैसे बदल रहे हैं। ये अंकेक्षक के लिए कौन-से लाभ और जोखिम लाते हैं?

**— END OF QUESTION PAPER · प्रश्न-पत्र समाप्त —**

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

## How to use this Demo Set इस डेमो सेट का उपयोग कैसे करें

**DEMO SAMPLE – not from the actual sets.** This Demo Set has the same layout, length and answer standard as the full Guessing Papers: question paper, syllabus coverage page, model answers in English and Hindi, and an exam-strategy page. The questions in it were chosen only to show the quality of the answers. They are **not** the questions of the paid sets.

**डेमो नमूना – वास्तविक सेटों के प्रश्न नहीं।** इस डेमो सेट का ढाँचा, लंबाई और उत्तरों का स्तर पूरे गेसिंग पेपर जैसा ही है: प्रश्न-पत्र, पाठ्यक्रम-कवरेज पृष्ठ, हिन्दी व अंग्रेज़ी में आदर्श उत्तर और परीक्षा-रणनीति। इसके प्रश्न केवल उत्तरों की गुणवत्ता दिखाने के लिए चुने गए हैं; ये पेड सेटों के प्रश्न **नहीं** हैं।

### Five ways to get the most out of it

1. Attempt the question paper first, without looking at the answers, and keep to the time limit.
2. Compare your answers with the model answers. Notice the order: introduction or definition, headed sections, a table or diagram, and a conclusion.
3. Learn the structure, then write in your own words. Copying lines word for word does not earn extra marks.
4. Practise the labelled diagrams by hand. They are part of a good 10-mark answer.
5. Read the syllabus and your prescribed books for the whole subject; use this paper to practise writing and time management.

### इसका अधिकतम लाभ लेने के पाँच तरीके

1. पहले उत्तर देखे बिना प्रश्न-पत्र हल करें और समय-सीमा का पालन करें।
2. अपने उत्तरों को आदर्श उत्तरों से मिलाएँ। क्रम देखें: भूमिका या परिभाषा, शीर्षकों वाले भाग, तालिका या चित्र और निष्कर्ष।
3. ढाँचा सीखें, फिर अपने शब्दों में लिखें। शब्द-दर-शब्द नकल से अतिरिक्त अंक नहीं मिलते।
4. नामांकित चित्र हाथ से बनाने का अभ्यास करें। ये 10 अंक के अच्छे उत्तर का हिस्सा हैं।
5. पूरे विषय के लिए पाठ्यक्रम और अनुशंसित पुस्तकें पढ़ें; इस पेपर का उपयोग लेखन-अभ्यास और समय-प्रबंधन के लिए करें।

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

## Syllabus Coverage & Reference Books पाठ्यक्रम कवरेज एवं संदर्भ ग्रंथ

This paper follows the official **Auditing** syllabus (COSC-14) of the Chhattisgarh Higher Education Department (NEP-2020). The table shows what each unit contains and where this paper tests it.

ONLINE STUDENT SEVA · PARIKSHA PASS

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

| Unit | Syllabus content (as prescribed) | Questions in this set |
|---|---|---|
| 1 | **Auditing: Nature, Objectives, Documentation and Evidence**<br>Nature, objectives, scope, advantages and limitations of auditing; auditor's duty; relationship of auditing with other disciplines; classification of audit; ethical principles and code of conduct; audit plan and audit programme, delegation and supervision; audit documentation (working papers, audit file, audit note book); audit evidence, its sufficiency, appropriateness, types, sources, relevance and reliability, and audit procedures for obtaining it.<br>**अंकेक्षण: प्रकृति, उद्देश्य, प्रलेखन व साक्ष्य** — अंकेक्षण की प्रकृति, उद्देश्य, क्षेत्र, लाभ व सीमाएँ; अंकेक्षक का कर्तव्य; अंकेक्षण का अन्य विषयों से संबंध; अंकेक्षण का वर्गीकरण; नैतिक सिद्धांत व आचार संहिता; अंकेक्षण योजना व कार्यक्रम, प्रत्यायोजन व पर्यवेक्षण; अंकेक्षण प्रलेखन (कार्यपत्र, अंकेक्षण फ़ाइल, नोट बुक); अंकेक्षण साक्ष्य, उसकी पर्याप्तता, उपयुक्तता, प्रकार, स्रोत, प्रासंगिकता व विश्वसनीयता तथा साक्ष्य प्राप्त करने की अंकेक्षण प्रक्रियाएँ। | Q.1(2), Q.1(3), Q.1(8), Q.2(a), Q.3 |
| 2 | **Internal Control and Internal Audit**<br>Meaning and objectives of internal control; features of a good internal control system; internal control questionnaire and checklist; tests of control; internal control and the IT environment; audit risk; internal check for cash, wages and purchases; concept of internal audit; test checking, audit sampling and sampling methods; internal audit versus statutory audit.<br>**आंतरिक नियंत्रण एवं आंतरिक अंकेक्षण** — आंतरिक नियंत्रण का अर्थ व उद्देश्य; अच्छी आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की विशेषताएँ; आंतरिक नियंत्रण प्रश्नावली व जाँच-सूची; नियंत्रण परीक्षण; आंतरिक नियंत्रण व IT परिवेश; अंकेक्षण जोखिम; रोकड़, मजदूरी व क्रय का आंतरिक निरीक्षण; आंतरिक अंकेक्षण की अवधारणा; परीक्षण जाँच, अंकेक्षण प्रतिचयन व प्रतिचयन विधियाँ; आंतरिक व वैधानिक अंकेक्षण। | Q.1(4), Q.1(5), Q.2(b), Q.4 |
| 3 | **Vouching, Verification and Audit of Limited Companies**<br>Vouching: meaning, objectives and procedure, vouching of different books; verification and valuation of assets and liabilities; vouching and verification in the digital era; audit of limited companies under the Companies Act, 2013: qualifications, disqualifications, appointment, rotation, removal, remuneration, rights and duties of the statutory auditor; auditor's report (contents and types), audit attestation and certification; liabilities of the auditor; overview of auditing standards.<br>**वाउचिंग, सत्यापन एवं सीमित कंपनियों का अंकेक्षण** — वाउचिंग: अर्थ, उद्देश्य व प्रक्रिया, विभिन्न बहियों की वाउचिंग; संपत्तियों व दायित्वों का सत्यापन व मूल्यांकन; डिजिटल युग में वाउचिंग व सत्यापन; कंपनी अधिनियम 2013 के अंतर्गत सीमित कंपनियों का अंकेक्षण: योग्यताएँ, अयोग्यताएँ, नियुक्ति, चक्रानुक्रम, निष्कासन, पारिश्रमिक, वैधानिक अंकेक्षक के अधिकार व कर्तव्य; अंकेक्षक प्रतिवेदन (अंतर्वस्तु व प्रकार), अंकेक्षण प्रमाणन व सत्यापन; अंकेक्षक के दायित्व; अंकेक्षण मानकों का अवलोकन। | Q.1(1), Q.1(6), Q.1(7), Q.2(c), Q.2(e), Q.5 |
| 4 | **Recent Trends in Auditing**<br>Cost audit, tax audit, management audit, performance audit, social audit, environmental audit, energy audit, system audit and safety audit; audit of banking companies, insurance companies, educational institutions, clubs and charitable organisations; audit of computerized accounts: procedure and practice (CAATs).<br>**अंकेक्षण में नवीन प्रवृत्तियाँ** — लागत अंकेक्षण, कर अंकेक्षण, प्रबंध अंकेक्षण, निष्पादन अंकेक्षण, सामाजिक अंकेक्षण, पर्यावरण अंकेक्षण, ऊर्जा अंकेक्षण, प्रणाली अंकेक्षण व सुरक्षा अंकेक्षण; बैंकिंग कंपनियों, बीमा कंपनियों, शैक्षणिक संस्थाओं, क्लबों व दान-संस्थाओं का अंकेक्षण; कंप्यूटरीकृत लेखों का अंकेक्षण: प्रक्रिया व व्यवहार (CAAT)। | Q.1(9), Q.1(10), Q.2(d), Q.6 |

## Books recommended in the syllabus (derive your answers from these) / पाठ्यक्रम में अनुशंसित पुस्तकें

**Text books:**

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

- B.N. Tandon, S. Sudharsanam and S. Sundharabahu - A Handbook of Practical Auditing; S. Chand and Company
- R.G. Saxena - Principles and Practice of Auditing; Himalaya Publishing House
- Kamal Gupta and Ashok Arora - Fundamentals of Auditing; Tata McGraw Hill

**Reference books:**

- Dinkar Pagare - Principles and Practice of Auditing; Sultan Chand and Sons
- Jagdish Prasad - Auditing: Principles and Practice; Kalyani Publishers
- The Companies Act, 2013 and ICAI Standards on Auditing (SA)

Always use the latest edition. Model answers in this paper follow the standard university textbooks listed above, in simplified exam-ready form. / नवीनतम संस्करण का प्रयोग करें।

**Important advice / ज़रूरी सलाह**

This is a **DEMO SAMPLE**. Its questions were chosen to show the style and standard of the answers; they are not from the actual sets. Do not depend on any sample paper alone: prepare the complete syllabus from your text book and use this paper to practise writing and time management.

यह एक **डेमो नमूना** है। इसके प्रश्न उत्तरों की शैली और स्तर दिखाने के लिए चुने गए हैं; ये वास्तविक सेटों के प्रश्न नहीं हैं। केवल किसी नमूना पेपर पर निर्भर न रहें: अपनी पाठ्यपुस्तक से पूरा पाठ्यक्रम तैयार करें और इस पेपर का उपयोग लेखन-अभ्यास व समय-प्रबंधन के लिए करें।

ONLINE STUDENT SEVA · PARIKSHA PASS

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

# PART – I : English Medium – Model Answers

Every answer is written to the marks allotted — learn the structure, then write in your own words.

## Section A · Q.1 : Answer key

| No. | Ans. | Correct option | Explanation |
|---|---|---|---|
| 1 | (b) | draw attention to a matter already properly disclosed that is fundamental to users' understanding | Under SA 706 the auditor may add this paragraph to highlight a matter that is properly presented in the statements. The opinion itself is not modified by it. |
| 2 | (c) | A bank confirmation received directly by the auditor | Evidence from an independent external source received directly by the auditor is more reliable than evidence from within the entity, and original documents are more reliable than copies. |
| 3 | (c) | Maximising the client's profit | The five fundamental principles are integrity, objectivity, professional competence and due care, confidentiality and professional behaviour. Maximising the client's profit is not one of them. |
| 4 | (d) | Inherent risk | This is the definition of inherent risk. Control risk is the chance that the entity's controls fail to prevent or detect the misstatement, and detection risk is the chance that the auditor's procedures miss it. |
| 5 | (a) | the operating effectiveness of internal controls | Tests of control check whether the controls actually operated effectively throughout the period. Checking balances and transactions directly is done through substantive procedures. |
| 6 | (c) | Rs 1 crore or above | Frauds of Rs 1 crore or above are reported to the Central Government after first reporting to the Board or Audit Committee. Smaller frauds are reported to the Audit Committee or Board and disclosed in the Board's report. |
| 7 | (c) | A body corporate | A body corporate, other than a limited liability partnership registered under the LLP Act, cannot be appointed as an auditor. A chartered accountant or a firm of chartered accountants is eligible. |
| 8 | (a) | Self-review threat | The auditor would be evaluating his own earlier work, which is a self-review threat. For this reason Section 144 bars an auditor from rendering accounting and book-keeping services to the company he audits. |
| 9 | (b) | Article 148 | Article 148 provides for the CAG, who is appointed by the President and can be removed only in the manner and on the grounds of a Supreme Court judge. |
| 10 | (d) | a computer-assisted audit technique (CAAT) | Using audit software or data analytics to select and test items from electronic records is a computer-assisted audit technique, which allows the auditor to cover very large volumes of data. |

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

## Section A · Q.2 : Short answers

**Q.2(a)** 4 marks · ≈ 100–120 words

**Write a short note on materiality in auditing.**

Materiality means that an item is important enough to influence the economic decisions of users of the financial statements. SA 320 deals with it.

- **Quantity and quality:** a small amount can be material if it hides a fraud or breaks a legal limit.
- **Overall materiality:** the auditor fixes an amount for the statements as a whole, often as a percentage of a benchmark such as profit before tax or revenue.
- **Performance materiality:** a lower amount used while testing, so that small errors do not add up beyond overall materiality.
- **Use:** it guides the audit plan, the size of samples and the type of audit opinion.

Materiality is a matter of professional judgment, and it is reviewed again as the audit proceeds.

**Q.2(b)** 4 marks · ≈ 100–120 words

**Distinguish between routine checking and test checking.**

| Basis | Routine checking | Test checking |
|---|---|---|
| Meaning | Checking every entry and calculation | Checking only a selected sample of entries |
| Coverage | Complete | Partial |
| Time and cost | High | Low |
| Suitable for | Small business with few transactions | Large business with strong internal control |
| Risk | Very low | Some risk that errors remain unseen |
| Basis of selection | Not needed | Judgment or statistical sampling |

In practice, an auditor chooses test checking when the internal control is good, because the sample is then likely to represent the whole. If control is weak, the sample must be enlarged.

**Q.2(c)** 4 marks · ≈ 100–120 words

**What are 'Key Audit Matters' in the auditor's report?**

Key Audit Matters (KAM) are those matters that, in the auditor's professional judgment, were of most significance in the audit of the financial statements of the current period. SA 701 deals with them.

- **Where reported:** in a separate section of the auditor's report.
- **Applies to:** audits of listed entities, and other entities where the auditor decides to report them.
- **Selection:** from matters discussed with those charged with governance, such as areas of high risk, major judgments or significant events.
- **Content:** why the matter was significant and how the auditor dealt with it.

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

KAM make the report more informative, but they are not a substitute for a modified opinion.

**Q.2(d)** 4 marks · ≈ 100–120 words

**Write a short note on the audit trail (edit log) requirement in accounting software.**

An audit trail is a record that shows who made which change to the accounting data and when.

- **Legal requirement:** under the Companies (Accounts) Rules, a company that uses accounting software for its books must use software with a feature to record an audit trail of each transaction and every change. This applies from financial years starting on or after 1 April 2023.
- **Features:** the log must show the date of change, the user, and the old and new values, and it cannot be switched off or deleted.
- **Auditor's duty:** the auditor reports whether the software had the feature, whether it operated throughout the year, and whether it was tampered with.

It protects against hidden changes and supports fraud detection.

**Q.2(e)** 4 marks · ≈ 100–120 words

**Explain the rotation of auditors under Section 139 of the Companies Act, 2013.**

Rotation means that the same auditor cannot continue indefinitely, so that independence is protected.

- **Applicability:** listed companies, and certain classes of unlisted public companies and private companies that cross prescribed paid-up capital or borrowing limits.
- **Individual auditor:** can hold office for not more than **one term of five consecutive years**.
- **Audit firm:** not more than **two terms of five consecutive years**.
- **Cooling-off:** after completing the term, the auditor or firm is not eligible for reappointment for **five years**.
- **Network firms:** the cooling-off also applies to firms having a common partner or in the same network.

## Section B : Long answers

**Q.3 · Unit 1** 10 marks · ≈ 600–700 words

**Explain the fundamental ethical principles that govern an auditor. What are the threats to an auditor's independence and the safeguards against them?**

### INTRODUCTION

An audit is useful only if users of the financial statements trust the auditor's opinion. That trust depends on the auditor's character and conduct. For this reason the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) has issued a **Code of Ethics**, based on the international code of IESBA,

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

which every member must follow. Ethics means rules of right conduct that go beyond what the law alone requires.

## FUNDAMENTAL PRINCIPLES

1. **Integrity:** being straightforward and honest in all professional and business relationships, and not being associated with false or misleading information.
2. **Objectivity:** not allowing bias, conflict of interest or the influence of others to override professional judgment.
3. **Professional competence and due care:** keeping knowledge and skill up to date, and acting diligently in line with technical and professional standards.
4. **Confidentiality:** not disclosing information obtained in the course of work to outsiders without proper authority, unless there is a legal or professional right or duty to disclose, and not using it for personal advantage.
5. **Professional behaviour:** complying with laws and avoiding any act that discredits the profession.

## INDEPENDENCE

Independence is the foundation of the audit. It has two parts:

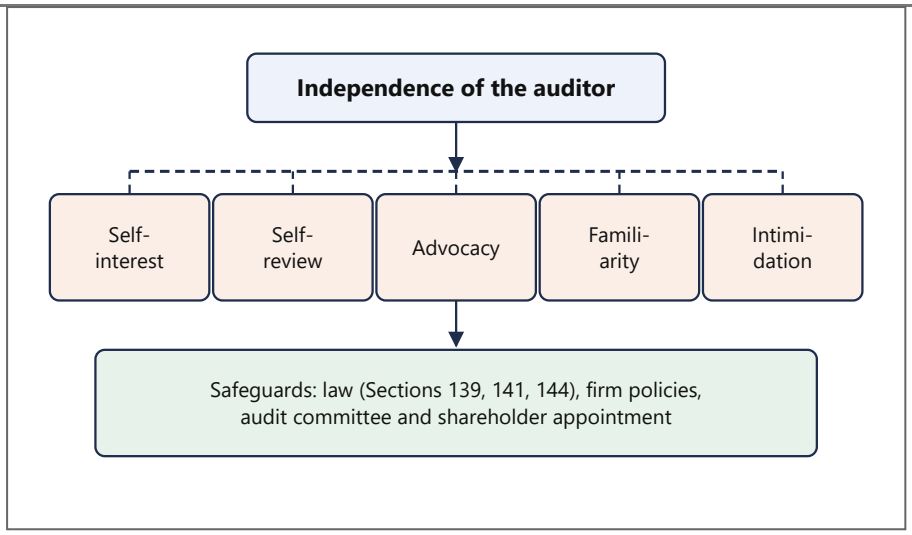
- **Independence of mind:** the state of mind that allows an opinion to be formed without being affected by outside influence.
- **Independence in appearance:** avoiding facts and circumstances so significant that a reasonable third party would doubt the auditor's integrity or objectivity.

## THREATS TO INDEPENDENCE

| Threat | Meaning | Example |
|---|---|---|
| Self-interest | Financial or other interest affects judgment | Auditor holds shares of the client, or depends heavily on one client's fees |
| Self-review | Auditor evaluates his own earlier work | Auditor also prepared the client's accounts |
| Advocacy | Auditor promotes the client's position | Auditor argues for the client in a dispute |
| Familiarity | Long or close relationship makes the auditor too sympathetic | Same audit partner for many years, or a relative in a key client position |
| Intimidation | Pressure deters the auditor from acting objectively | Client threatens to remove the auditor over a disagreement |

ONLINE STUDENT SEVA PARIKSHA PASS

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।




*Threats to auditor independence and the kinds of safeguards*

### SAFEGUARDS

- **Created by law and the profession:** the Companies Act, 2013 bars certain services for the auditor's own client (Section 144) such as accounting and book-keeping, internal audit, design of financial information systems, actuarial and investment advisory services; Section 141 disqualifies an auditor who holds securities of the company or is indebted to it above prescribed limits; rotation under Section 139(2) addresses familiarity.
- **Within the audit firm:** quality control policies, review of work by a second partner, rotation of engagement team members, and a rule that all staff report their financial interests.
- **Within the client:** the audit committee, which recommends the auditor and handles disagreements, and the appointment of the auditor by shareholders, not management.
- **When a threat cannot be reduced** to an acceptable level, the auditor must decline or resign from the engagement.

### CONSEQUENCES OF BREACH

A member who breaches the Code can face disciplinary action under the Chartered Accountants Act, 1949 for professional or other misconduct, which may include a reprimand, a fine or removal from the register. The company may also be misled, and the auditor can face legal liability.

### CONCLUSION

Ethical principles and independence are what give an audit its value. Because the auditor works for the shareholders but is usually paid by the company, the law and the profession build several safeguards, and the final protection is the auditor's own integrity.

**Q.3 (OR) · Unit 1** 10 marks · ≈ 600–700 words

**Discuss the nature of an auditor's duty of care and skill with reference to leading court decisions. Is an auditor a 'watchdog' or a 'bloodhound'?**

### INTRODUCTION

The law does not expect an auditor to guarantee that the accounts are free from every error or fraud. It expects him to carry out the work with the **reasonable care and skill** of a competent professional. What counts as reasonable depends on the facts of each case, and the courts have

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

explained it through a number of decisions. Many of these English cases are still quoted in India because the duty under the Companies Act, 2013 follows the same principles.

## LEADING CASES

**1. London and General Bank (1895)**

The bank's liquidity was weak, and the directors hid it. The auditor pointed this out to the directors but did not state it clearly in his report to the shareholders. The court held that the auditor must report the true position to the shareholders, even if it harms the company's credit. He cannot be satisfied with the directors' certificate where he knows it is unreliable.

*Principle: the auditor's duty is to the shareholders, and a hidden doubt is a breach of duty.*

**2. Kingston Cotton Mill Co. (No. 2), 1896**

Managers had overstated the value of stock for years, and dividends were paid out of fictitious profit. The auditors relied on the stock certificates given by the managers. Lopes L.J. held that the auditors were not liable. An auditor is **'a watchdog, not a bloodhound'**; he is not bound to approach the work with suspicion or to assume that others are dishonest. He may rely on honest and reasonably competent officials unless something puts him on inquiry, but he must act when a reason for suspicion arises.

*Principle: the standard of care depends on the circumstances, and reliance on the work of others is allowed within limits.*

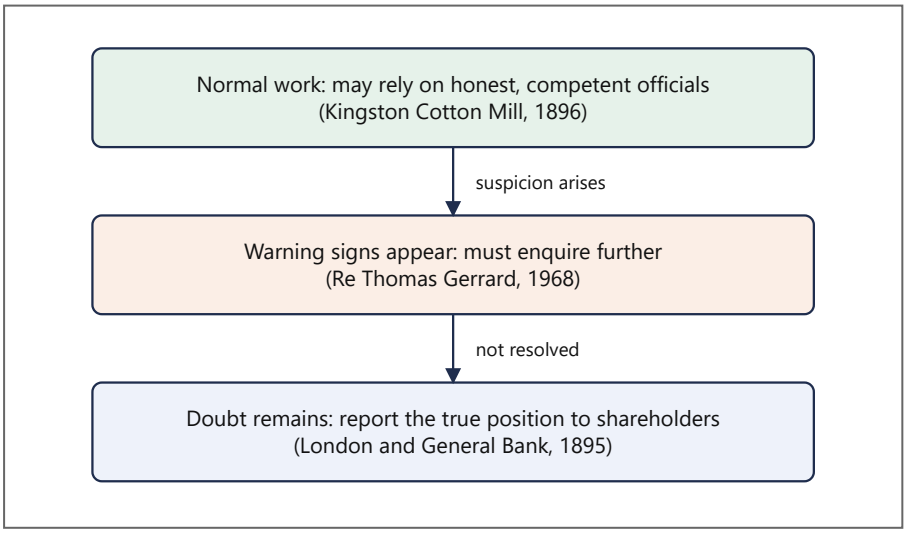
**3. Re City Equitable Fire Insurance Co. (1925)**

The Chairman had committed large frauds. Romer J. summarised the position: an auditor must exercise reasonable care and skill, is not an insurer, is not bound to be a detective, and may accept the word of responsible officials. The auditors were held not liable because they had followed the standard expected of them. He also said that the standard of care rises with the circumstances and the progress of professional knowledge.

**4. Re Thomas Gerrard and Son Ltd (1968)**

The managing director altered invoices to inflate stock and profit. The auditors noticed signs of tampering but did not make further enquiries. The court held them liable, since the alterations should have made a careful auditor suspicious.

*Principle: when there are warning signs, the auditor must probe further and cannot rely on explanations of management.*




*From the cases: the auditor's duty moves from reliance to inquiry when suspicion arises*

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

### WATCHDOG OR BLOODHOUND?

| Basis | Watchdog | Bloodhound |
|---|---|---|
| Attitude | Watches, raises alarm on suspicion | Hunts for wrongdoing |
| Starting point | Honest management, until doubt arises | Suspicion from the start |
| Legal position | Accepted by the courts | Not required |

Modern courts expect more than the early decisions. Standards on Auditing, especially SA 200 on professional scepticism, ask the auditor to keep an alert mind, to question evidence and to treat fraud risk seriously. So the better description today is a **watchdog who is alert and sceptical**.

### DUTY UNDER THE COMPANIES ACT, 2013

Section 143 gives the auditor the right of access to books and to ask for information, and requires him to report on whether the accounts give a true and fair view. Section 143(12) requires him to report fraud. Section 147 provides penalty and liability if he fails in these duties.

### CONCLUSION

The cases show that the auditor's duty is one of reasonable care, not of insurance against all fraud. The auditor must be independent and honest, rely on others only when reliance is reasonable, and become more cautious as soon as there are signs of trouble.

**Q.4 · Unit 2** 10 marks · ≈ 600–700 words

**What is audit risk? Explain its components (inherent risk, control risk and detection risk) and show how the auditor uses the audit risk model with a numerical illustration.**

### INTRODUCTION

No audit can give absolute certainty, because the auditor tests only a part of the data, relies on estimates and judgments, and may be misled. **Audit risk** is the risk that the auditor expresses an inappropriate opinion when the financial statements are materially misstated. SA 200 states that an audit aims at obtaining **reasonable assurance**, which means keeping this risk at an acceptably low level. The auditor therefore plans the audit by identifying and assessing risk.

### COMPONENTS OF AUDIT RISK

Audit risk has two parts: the risk of material misstatement in the statements, and the risk that the auditor will not detect it.

**1. Inherent risk (IR)**

The susceptibility of an assertion to a material misstatement, assuming that there are no related controls. It depends on the nature of the business and the item. For example, cash is easier to steal than land, estimates such as provisions and valuation of derivatives are more uncertain than fixed payments, and a business in a fast-changing industry has more risk of obsolete stock.

**2. Control risk (CR)**

The risk that the entity's internal controls will fail to prevent or detect and correct a material misstatement in time. The auditor assesses it by studying the controls and carrying out tests of control. Weak segregation of duties or poor IT controls raise control risk.

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

IR and CR exist in the entity independently of the audit. SA 315 (Revised) combines them into the **risk of material misstatement (RMM)**.

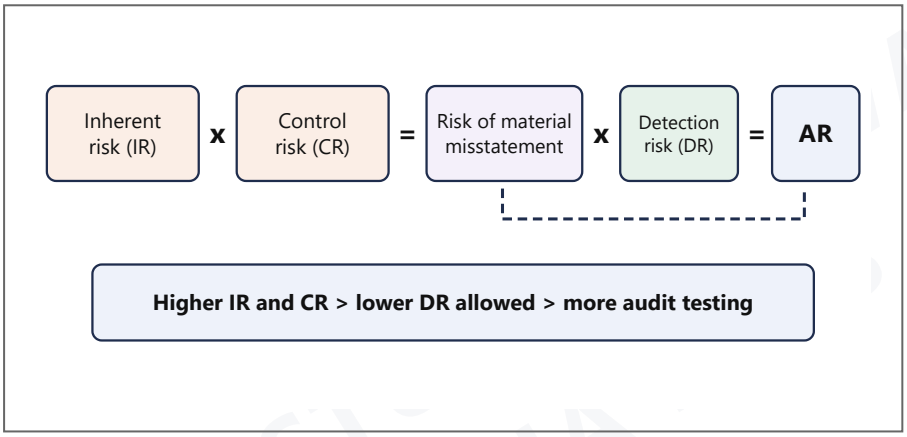
**3. Detection risk (DR)**

The risk that the procedures performed by the auditor will not detect a material misstatement that exists. It is the only component the auditor controls, by choosing the nature, timing and extent of substantive procedures. It also includes **sampling risk** (the sample is not representative) and **non-sampling risk** (wrong procedure or misreading evidence).

## THE AUDIT RISK MODEL

AR = IR × CR × DR (or AR = RMM × DR)

The relationship shows that if the auditor accepts a certain level of overall risk, then the permitted detection risk depends on the assessed risk of misstatement: the **higher the assessed IR and CR, the lower the detection risk must be**, so more evidence is needed.




*Audit risk model: AR = IR x CR x DR, and the effect of risk assessment on audit work*

## NUMERICAL ILLUSTRATION

Suppose the auditor accepts an overall audit risk of 5% (0.05).

- **Case A (strong controls):** IR = 80% and CR = 50%. Then DR = 0.05 / (0.80 × 0.50) = 0.05 / 0.40 = **0.125 or 12.5%**. The auditor can accept a high detection risk, so smaller samples and fewer substantive tests are enough.
- **Case B (weak controls):** IR = 100% and CR = 100%. Then DR = 0.05 / (1 × 1) = **0.05 or 5%**. Detection risk must be kept low, so the auditor tests larger samples and performs more procedures near the year end.

## RESPONSE OF THE AUDITOR

- **To higher risk:** assign experienced staff, apply more professional scepticism, use unpredictable procedures, obtain more reliable evidence, test more at year end, and consider specialists.
- **To lower risk:** rely on tested controls and reduce substantive testing.
- **Significant risks**, such as fraud risk and revenue recognition, need special attention and cannot be handled only by testing controls.

## LIMITATIONS

The numbers in the model are judgments and not exact values. The model also assumes that the components are independent, which may not always be true. Hence it is used as a planning aid, not as a mathematical certainty.

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

### CONCLUSION

Audit risk shapes the whole audit. By assessing inherent and control risk carefully, the auditor decides how much detection risk is acceptable and plans the amount of testing accordingly, which makes the audit both effective and efficient.

**Q.4 (OR) · Unit 2** 10 marks · ≈ 600–700 words

**How does an auditor evaluate the internal control system? Explain the internal control questionnaire, checklist and flow chart, and distinguish between tests of control and substantive procedures.**

### INTRODUCTION

Before deciding how much testing to do, the auditor must understand and evaluate the entity's internal control system. A strong system reduces control risk and allows less substantive testing. A weak system forces the auditor to test more. The evaluation is done in three stages: **recording** the system, **evaluating** it and **testing** it.

### METHODS OF RECORDING THE SYSTEM

**1. Internal Control Questionnaire (ICQ)**

A standard list of questions on each area, such as cash, purchases and wages, which is answered by the client's staff. Each question is framed so that a 'Yes' shows good control and a 'No' shows a weakness, for example: 'Are the cash book entries checked daily by an official other than the cashier?' The answers show the weak points quickly. It is suitable for first-year audits and large clients.

*Limitations:* it may become mechanical, may not suit a small business, and does not show how the work actually flows.

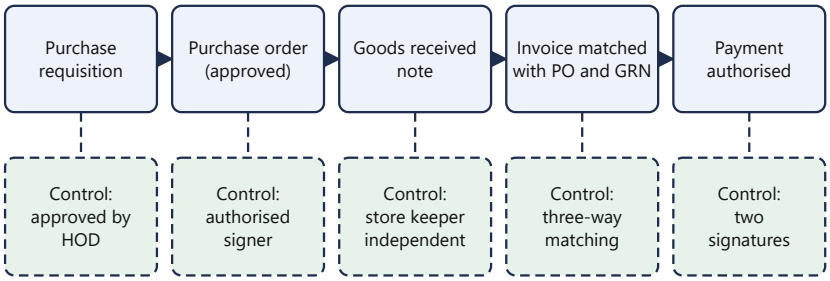
**2. Internal Control Checklist**

A series of instructions or points that the auditor himself or his assistant must verify and tick off during the audit, for instance 'Check that the stores ledger is reconciled with the control account'. Where the ICQ is answered by the client, the checklist is completed by the auditor's staff and so it is a **direct evidence of work done**. It is useful for recurring audits.

**3. Flow chart**

A diagram that shows the flow of documents and activities, with the persons responsible at each stage, from the start of a transaction to its end. It gives a picture of the system at a glance, shows missing checks and duplications, and is easy to update. Preparing it takes time and skill, and is hard for a very large or complex system.

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।




*Simple flow chart of the purchase cycle showing control points*

## COMPARISON OF THE THREE METHODS

| Basis | ICQ | Checklist | Flow chart |
|---|---|---|---|
| Form | Questions | Instructions | Diagram |
| Who completes | Client's staff | Auditor's staff | Auditor |
| Best use | Initial review | Routine, repeated audits | Showing process flow |
| Main merit | Quick and complete | Evidence of work | Clear picture |
| Main demerit | Mechanical | Less analytical | Time consuming |

## EVALUATION AND TESTING

After recording, the auditor studies the weak and strong points and decides which controls he will rely on. Then he performs **tests of control** to confirm that the controls worked throughout the period, such as inspecting a sample of purchase orders for the approval signature, or re-performing a bank reconciliation.

## TESTS OF CONTROL VS SUBSTANTIVE PROCEDURES

| Basis | Tests of control | Substantive procedures |
|---|---|---|
| Purpose | Check operating effectiveness of controls | Detect material misstatements in amounts |
| Focus | Process and controls | Balances, transactions and disclosures |
| Examples | Inspect approvals, observe segregation of duties | Confirm debtors, count stock, vouch expenses |
| Required | When the auditor plans to rely on controls | Always for material items |
| Result | Decides the extent of substantive work | Gives direct evidence on the figure |

Substantive procedures are **always necessary** for material classes of transactions, however good the controls, because controls have inherent limitations.

## CONCLUSION

The ICQ, checklist and flow chart help the auditor to know the system, while tests of control show whether it really worked. The conclusion drawn from this evaluation decides the nature, timing and extent of the substantive procedures, so that the audit is planned in a reasoned manner.

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

**Q.5 · Unit 3** 10 marks · ≈ 600–700 words

**What are Standards on Auditing (SAs)? Explain their need, legal status in India and the main groups of standards with examples.**

## INTRODUCTION

Standards on Auditing (SAs) are the professional rules that set out the basic principles and essential procedures which an auditor must follow in an audit. They describe **what the auditor should do and how**, so that audits done by different auditors reach a uniform minimum quality. In India they are issued by the **Auditing and Assurance Standards Board (AASB)** of the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI), and they are based on the International Standards on Auditing (ISAs) of the IAASB.

## NEED FOR AUDITING STANDARDS

1. **Uniformity:** the same minimum procedures are followed by all auditors.
2. **Quality:** a benchmark for the work, and for checking it in peer review or inspection.
3. **Public confidence:** users of financial statements know that the audit follows an accepted discipline.
4. **Guidance:** especially to new members and small firms, on complex matters.
5. **Protection of the auditor:** following the standards is a strong defence if his work is questioned.
6. **International acceptance:** convergence with ISAs helps Indian companies that raise money abroad.

## LEGAL STATUS IN INDIA

- Under **Section 143(10)** of the Companies Act, 2013, the Central Government may prescribe the Standards on Auditing recommended by ICAI, in consultation with the National Financial Reporting Authority (NFRA). The SAs issued by ICAI are applicable until such standards are notified.
- Section 143(9) requires every auditor to **comply with the standards**.
- Section 143(3)(e) and the auditor's report must state whether the accounts comply with accounting standards, and the report itself is prepared under SA 700.
- Non-compliance may lead to disciplinary action by ICAI under the Chartered Accountants Act, 1949, and to action by NFRA for companies within its jurisdiction.

## STRUCTURE OF THE SAS

The SAs are numbered in series, with each series dealing with one stage of the audit.

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

| Series | Area | Examples |
|---|---|---|
| 200 | General principles and responsibilities | SA 200 Overall objectives of the auditor; SA 230 Audit documentation; SA 240 Responsibility relating to fraud |
| 300-499 | Risk assessment and response | SA 300 Planning; SA 315 Identifying and assessing risks of material misstatement; SA 320 Materiality; SA 330 Auditor's responses to assessed risks |
| 500-599 | Audit evidence | SA 500 Audit evidence; SA 505 External confirmations; SA 520 Analytical procedures; SA 530 Audit sampling |
| 600-699 | Using the work of others | SA 610 Using the work of internal auditors; SA 620 Using the work of an auditor's expert |
| 700-799 | Conclusions and reporting | SA 700 Forming an opinion and reporting; SA 701 Key audit matters; SA 705 Modifications to the opinion |

Each SA usually has an introduction, objective, definitions, requirements and application guidance. Requirements, shown by the word 'shall', are mandatory.

### EXAMPLES EXPLAINED

- **SA 200:** the auditor must obtain reasonable assurance, comply with ethical requirements, and maintain professional scepticism and judgment.
- **SA 230:** documentation should be sufficient for an experienced auditor with no previous link to the audit to understand the work done.
- **SA 570:** the auditor assesses whether the use of the going-concern assumption is appropriate.
- **SA 700:** the report must express an opinion, state the basis for it, and contain the other required sections.

### RELATED STANDARDS

Besides SAs, the ICAI also issues **Standards on Review Engagements, Assurance Engagements and Related Services**, and the **Standard on Quality Management** which sets the firm's duties on quality control. Auditing standards are different from **accounting standards** (Ind AS and AS), which tell the company how to prepare the accounts, while SAs tell the auditor how to audit them.

### CONCLUSION

Auditing standards give structure and discipline to the audit. Their growing legal backing in India, together with international convergence, has raised the quality of audits and the confidence of investors.

**Q.5 (OR) · Unit 3** 10 marks · ≈ 600–700 words

**Explain joint audit and branch audit. How are the responsibilities divided among joint auditors and what are the duties of a branch auditor?**

### INTRODUCTION

A large company may have operations spread over many places, or may be so big that one firm cannot complete the audit in the given time. In such cases the audit may be shared. Two methods are common: **joint audit**, where two or more auditors audit the same company together, and **branch audit**, where the accounts of branches are audited separately and then combined into the company's accounts.

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

## JOINT AUDIT

**Meaning:** when two or more auditors or firms are appointed to audit the same entity and issue one common report, it is a joint audit. It is common in large public sector companies, banks and big private companies. SA 299 (Responsibility of Joint Auditors) governs the practice.

**Division of work:** the joint auditors decide by mutual agreement, in writing, how to divide the audit, for example by branches, units or areas such as fixed assets, inventory or payroll. The work divided must be recorded, and it may be reallocated during the audit if needed.

**Responsibility:**

1. **Separate responsibility:** each joint auditor is responsible only for the work allocated to him, and for the work he performs. He is not responsible for another auditor's area unless he should have known of an error.
2. **Common responsibility:** all are jointly responsible for:

(a) the matters that relate to the audit work which is not divided;

(b) decisions taken by all about the nature, timing and extent of procedures;

(c) the report on the **whole** financial statements, so each must satisfy himself that the other's work is adequate for the common report;

(d) bringing to the attention of the others any matter noticed in his area that affects their work.

1. **Report:** a single report is signed by all. If they disagree on a matter, each issues a separate report on it, stating the reasons.

**Advantages**

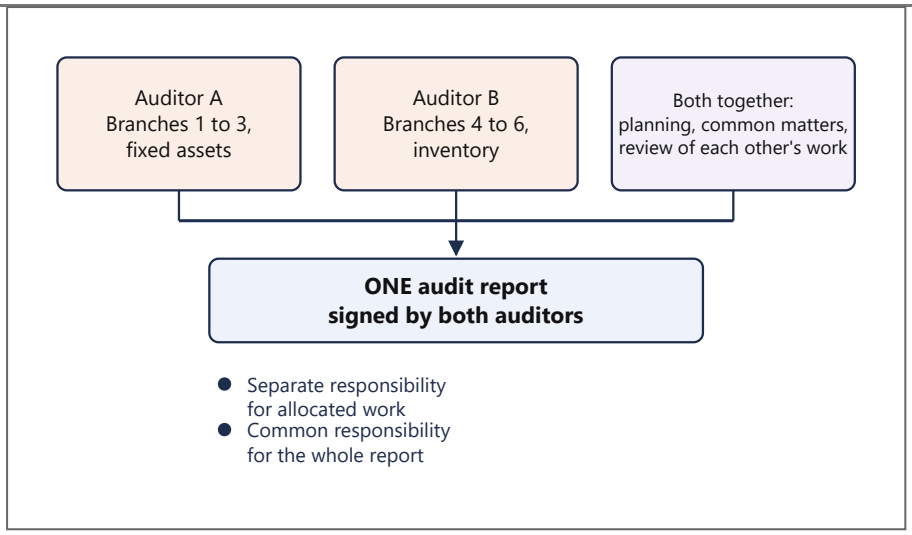
- The work is done quicker, using combined skill and experience.
- Cross-checking improves quality and gives greater credibility.
- Suitable for geographically spread business.
- Wider acceptance of the audit report.

**Disadvantages**

- Responsibility may be blurred, with each assuming that another has done the work.
- Problems of coordination, disagreement and duplication.
- Fees must be shared, and it may cost more.
- Leaves less room for specialisation if work is divided only by location.

ONLINE STUDENT SEVA · PARIKSHA PASS

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।




*Joint audit: work divided by areas, with common responsibility for the single report*

## BRANCH AUDIT

**Section 143(8)** of the Companies Act, 2013 deals with it. If a company has a branch office, the accounts of the branch are audited either by the company's **own auditor** or by another person qualified for appointment as auditor and **appointed as a branch auditor** by the company in the way prescribed. If the branch is outside India, the branch auditor may be an accountant qualified under the law of that country.

### Duties of the branch auditor

- To audit the branch accounts and report to the company's auditor, who must consider the report in forming his own opinion.
- To state in the report whether the branch accounts give a true and fair view, and matters such as books, returns and any qualifications.
- To use the same standards, though it is the **company auditor** who remains **responsible** for the overall report.

### Duties of the company auditor

- To decide whether the work of the branch auditor is enough, to give instructions on the information he needs, and to examine the branch auditor's report.
- To ask for clarification, and to deal with the report as he thinks fit in his own report. He may ask the branch auditor for any further information he needs.

## JOINT AUDIT VS BRANCH AUDIT

| Basis | Joint audit | Branch audit |
|---|---|---|
| Appointment | Two or more auditors for the whole entity | Separate auditor for branch accounts |
| Report | One common report | Branch report to company auditor, who reports on whole |
| Responsibility | Separate and common | Company auditor responsible overall |

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

### CONCLUSION

Both systems allow large and widespread businesses to be audited within time without loss of quality. Their success depends on clear division of work, good coordination and a clear understanding of who is responsible for what.

**Q.6 · Unit 4** 10 marks · ≈ 600–700 words

**Explain the role of the Comptroller and Auditor General (CAG) of India. Discuss the types of government audit and the performance audit conducted by the CAG.**

### INTRODUCTION

Public money is raised through taxes and spent by governments on behalf of citizens. Someone independent must check that it is spent as Parliament and the State Legislatures intended. In India this work is done by the **Comptroller and Auditor General (CAG)**, the head of the **Supreme Audit Institution**. The CAG is often called the guardian of the public purse.

### CONSTITUTIONAL POSITION

- **Article 148:** provides for the CAG. He is appointed by the President and can be removed only in the manner and on the grounds of a Supreme Court judge, which protects his independence. His salary and service conditions cannot be changed to his disadvantage after appointment.
- **Article 149:** the CAG performs duties and exercises powers in relation to the accounts of the Union, the States and other bodies, as laid down by Parliament. This is done by the **CAG's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971**, which also fixes his term at six years or until age 65, whichever is earlier.
- **Article 150:** the accounts of the Union and the States are kept in the form prescribed by the President on the CAG's advice.
- **Article 151:** the CAG's reports on Union accounts go to the President, who lays them before Parliament; reports on State accounts go to the Governor, who lays them before the State Legislature.

### FUNCTIONS

1. Audit of receipts and expenditure of the Union and State Governments.
2. Audit of government companies and corporations, and of bodies substantially financed by the government.
3. Audit of contingency funds and public accounts.
4. In relation to government companies, appointing the statutory auditors under **Section 139(5)** of the Companies Act, 2013, and conducting a supplementary audit under Section 143(6).
5. Submitting audit reports to the legislatures, which are then examined by the **Public Accounts Committee (PAC)** and the Committee on Public Undertakings.

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

## TYPES OF GOVERNMENT AUDIT

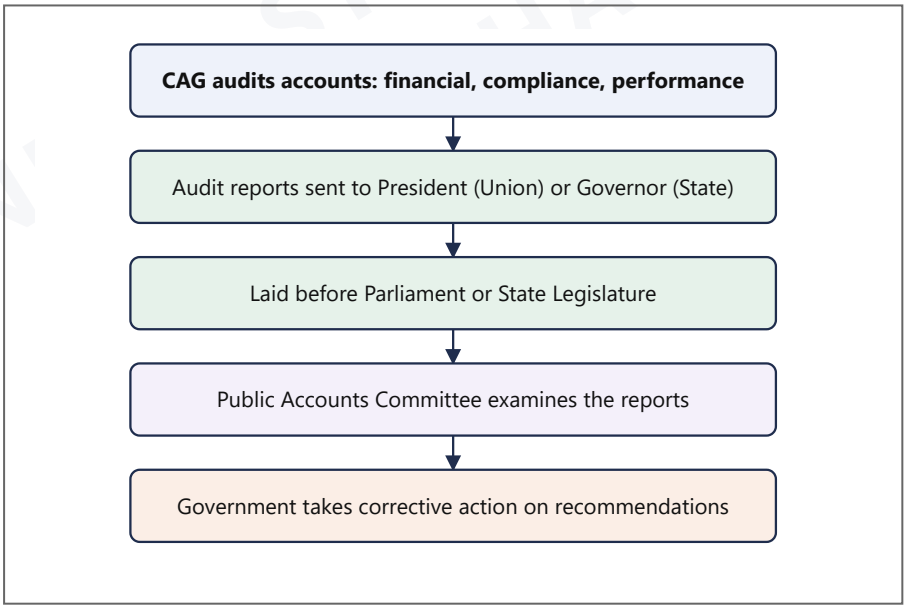
| Type | Aim | Example question |
|---|---|---|
| Financial audit | Whether accounts are accurate and reliable | Do the accounts show the true position? |
| Appropriation audit | Whether money was spent on the purpose for which it was granted by the legislature | Was money spent within the grant and for the voted purpose? |
| Compliance (regularity) audit | Whether laws, rules and orders were followed | Were rules for tendering followed? |
| Propriety audit | Whether spending was wise and avoided waste, even if technically legal | Was the expenditure extravagant? |
| Performance audit | Whether programmes achieved results economically, efficiently and effectively | Did the scheme reach the people it was meant for? |

## PERFORMANCE AUDIT

Performance audit, or value-for-money audit, examines the **three Es**:

- **Economy:** were the resources of the right quality obtained at the lowest reasonable cost?
- **Efficiency:** was the best output obtained from the resources used?
- **Effectiveness:** did the programme achieve its objectives and intended impact?

The CAG selects a scheme or department on the basis of risk, importance and public interest, fixes the audit objectives and criteria, collects evidence by examining records, field visits and surveys, discusses findings with the department and includes the replies, and then reports to the legislature. Examples include audits of large schemes such as rural employment or road programmes.




*Flow of the CAG's audit reports from the audit to the legislature and the Public Accounts Committee*

## SIGNIFICANCE AND LIMITS

The CAG's reports bring out waste, delay and irregularity and make the executive answerable to the legislature. The CAG gives advice and findings, but does not have power to punish; follow-up depends on the legislature and the government. The CAG audits after expenditure has been incurred, and critics sometimes feel that its findings come late.

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

## CONCLUSION

The CAG is an independent constitutional authority who strengthens financial accountability. Its move from simple financial and compliance audit to performance audit shows that auditing now asks not just whether money was spent legally, but whether it was spent well.

**Q.6 (OR) · Unit 4** 10 marks · ≈ 600–700 words

**Discuss how data analytics, artificial intelligence and automation are changing the audit process. What benefits and risks do they bring for the auditor?**

## INTRODUCTION

Traditional auditing relied on testing a **sample** of paper documents. Today most transactions are created, approved and stored electronically, in huge volumes. Auditors have therefore started to use technology that can examine entire data sets, spot unusual items and automate routine work. This is part of the recent trends in auditing and goes beyond the basic computer-assisted audit techniques (CAATs).

## TECHNOLOGIES USED

**1. Data analytics**

The auditor extracts data from the ERP or accounting system and tests it with software.

- **Full-population testing:** instead of picking 60 invoices, the software checks all invoices for duplicates, missing numbers or payments above approval limits.
- **Journal entry testing:** SA 240 requires testing of journal entries because management can override controls. Analytics can flag entries made at odd hours, on holidays, by senior staff, with round amounts, or posted to rarely used accounts.
- **Trend and ratio analysis:** comparing months, branches and products to find patterns that do not fit.
- **Benford's law:** a statistical test of the first digits of numbers, which helps to find manipulated figures.

**2. Artificial intelligence and machine learning**

- **Anomaly detection:** models learn what normal transactions look like and highlight those that are far from the pattern, which helps to find possible fraud.
- **Natural language processing:** reading contracts, board minutes and emails for key terms, such as unusual clauses or related-party details.
- **Prediction:** estimating risk areas, such as doubtful debts, from past data.

**3. Robotic process automation (RPA)**

Software 'bots' perform repetitive tasks such as sending balance confirmation requests, matching bank statements to ledgers, and collecting documents.

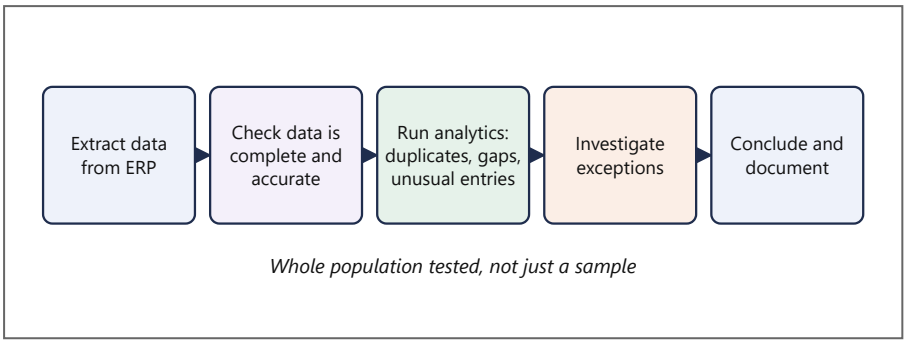
**4. Continuous auditing**

Controls and transactions are monitored almost in real time, with alerts when a rule is broken, rather than once a year.

**5. Blockchain and cloud tools**

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

Where records are on a blockchain, their immutability and time-stamping give stronger evidence of existence and history of transactions. Cloud platforms help teams to work on the same files from different places.




*Data analytics workflow in audit: from extracting data to following up exceptions*

## BENEFITS

- **Wider coverage:** the whole population is examined, which reduces sampling risk.
- **Better quality:** hidden patterns and fraud indicators are detected, and risk assessment is sharper.
- **Efficiency:** routine tasks are done faster and with fewer errors, so staff can focus on judgment.
- **Insight:** the client gets useful information on weaknesses in its processes.
- **Documentation:** the work is traceable and reproducible, supporting audit evidence.

## RISKS AND LIMITATIONS

- **Data integrity:** the output is only as reliable as the data. The auditor must check that the data is complete and accurate (for example by reconciling it to the ledger).
- **False positives:** many flagged items may be harmless and still need review.
- **Over-reliance and 'black box' models:** an auditor must understand how a tool reaches a result and cannot blindly accept it.
- **Skills and cost:** need for trained staff and investment in tools, which is hard for small firms.
- **Cyber security and confidentiality:** client data must be protected when stored or sent.
- **Professional scepticism:** technology does not replace judgment. Under the SAs, the auditor remains responsible for the opinion.

## ROLE OF THE AUDITOR

The auditor must still plan the audit, decide what to test, evaluate the results and document conclusions. Technology changes the **method**, not the responsibility. Auditors also need to examine the client's own IT controls, since the reliability of data depends on them.

## CONCLUSION

Data analytics, AI and automation make audits broader, faster and more insightful, but they do not remove the need for an auditor's judgment, scepticism and ethics. The future auditor will combine accounting knowledge with data skills.

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

# भाग – II : हिन्दी माध्यम – आदर्श उत्तर

प्रत्येक उत्तर अंक-भार के अनुसार लिखा गया है — ढाँचा सीखें, फिर अपने शब्दों में लिखें।

## खण्ड – अ · प्रश्न 1 : उत्तर कुंजी

| क्र. | उत्तर | सही विकल्प | स्पष्टीकरण |
|---|---|---|---|
| 1 | (b) | ऐसे विषय की ओर ध्यान दिलाने के लिए जो पहले से उचित रूप से प्रकट है और उपयोगकर्ताओं की समझ के लिए मूलभूत है | SA 706 के अंतर्गत अंकेक्षक वित्तीय विवरणों में उचित रूप से प्रस्तुत किसी विषय को उभारने के लिए यह अनुच्छेद जोड़ सकता है। इससे मत स्वयं संशोधित नहीं होता। |
| 2 | (c) | अंकेक्षक को सीधे प्राप्त बैंक पुष्टि | स्वतंत्र बाहरी स्रोत से अंकेक्षक को सीधे मिला प्रमाण इकाई के भीतर के प्रमाण से अधिक विश्वसनीय होता है, और मूल दस्तावेज़ प्रतिलिपि से अधिक विश्वसनीय होते हैं। |
| 3 | (c) | क्लाइंट का लाभ अधिकतम करना | पाँच मूलभूत सिद्धांत हैं: सत्यनिष्ठा, वस्तुनिष्ठता, व्यावसायिक योग्यता और उचित सावधानी, गोपनीयता और व्यावसायिक आचरण। क्लाइंट का लाभ अधिकतम करना इनमें नहीं है। |
| 4 | (d) | अंतर्निहित जोखिम | यह अंतर्निहित जोखिम की परिभाषा है। नियंत्रण जोखिम का अर्थ है कि इकाई के नियंत्रण गलती को रोक या पकड़ न पाएँ, और अन्वेषण जोखिम का अर्थ है कि अंकेक्षक की प्रक्रियाएँ उसे चूक जाएँ। |
| 5 | (a) | आंतरिक नियंत्रणों की संचालन-प्रभावशीलता | नियंत्रण परीक्षण जाँचते हैं कि नियंत्रण पूरी अवधि में वास्तव में प्रभावी रूप से चले या नहीं। शेषों और लेन-देनों की सीधी जाँच सारगत प्रक्रियाओं से होती है। |
| 6 | (c) | 1 करोड़ रुपये या उससे अधिक | 1 करोड़ रुपये या उससे अधिक की धोखाधड़ी पहले बोर्ड या अंकेक्षण समिति को बताने के बाद केंद्र सरकार को बताई जाती है। इससे छोटी धोखाधड़ी अंकेक्षण समिति या बोर्ड को बताई जाती है और बोर्ड की रिपोर्ट में प्रकट की जाती है। |
| 7 | (c) | निगमित निकाय | निगमित निकाय, एल.एल.पी. अधिनियम में पंजीकृत सीमित दायित्व भागीदारी को छोड़कर, अंकेक्षक नियुक्त नहीं हो सकता। चार्टर्ड अकाउंटेंट या उनकी फर्म पात्र हैं। |
| 8 | (a) | स्व-समीक्षा का खतरा | अंकेक्षक अपने ही पहले के कार्य का मूल्यांकन करेगा, जो स्व-समीक्षा का खतरा है। इसीलिए धारा 144 अंकेक्षक को उस कंपनी को लेखांकन और बहीखाता सेवाएँ देने से रोकती है जिसका वह अंकेक्षण करता है। |
| 9 | (b) | अनुच्छेद 148 | अनुच्छेद 148 सी.ए.जी. का प्रावधान करता है, जिसे राष्ट्रपति नियुक्त करते हैं और जिसे सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की रीति और आधारों पर ही हटाया जा सकता है। |
| 10 | (d) | कंप्यूटर-सहायित अंकेक्षण तकनीक (CAAT) | इलेक्ट्रॉनिक अभिलेखों से मदें चुनने और जाँचने के लिए अंकेक्षण सॉफ्टवेयर या डेटा एनालिटिक्स का उपयोग कंप्यूटर-सहायित अंकेक्षण तकनीक है, जिससे अंकेक्षक बहुत बड़ी मात्रा का डेटा जाँच सकता है। |

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

## खण्ड – अ · प्रश्न 2 : लघु उत्तर

**प्रश्न 2(a)** 4 अंक · शब्द-सीमा ≈ 100–120 शब्द

### अंकेक्षण में भौतिकता (मैटेरियलिटी) पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

भौतिकता का अर्थ है कि कोई मद इतनी महत्वपूर्ण है कि वह वित्तीय विवरणों के उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित कर सके। इसका विवेचन SA 320 में है।

- **मात्रा और गुण:** छोटी राशि भी भौतिक हो सकती है यदि वह धोखाधड़ी छिपाए या कानूनी सीमा तोड़े।
- **समग्र भौतिकता:** अंकेक्षक पूरे विवरणों के लिए एक राशि तय करता है, प्रायः कर-पूर्व लाभ या आय जैसे आधार के प्रतिशत के रूप में।
- **निष्पादन भौतिकता:** जाँच के समय प्रयुक्त कम राशि, ताकि छोटी गलतियाँ जुड़कर समग्र भौतिकता से अधिक न हो जाएँ।
- **उपयोग:** यह अंकेक्षण योजना, नमूने के आकार और अंकेक्षण मत के प्रकार का मार्गदर्शन करती है।

भौतिकता पेशेवर विवेक का विषय है और अंकेक्षण के साथ इसकी पुनः समीक्षा होती है।

**प्रश्न 2(b)** 4 अंक · शब्द-सीमा ≈ 100–120 शब्द

### नियमित जाँच और परीक्षण जाँच में अंतर कीजिए।

| आधार | नियमित जाँच | परीक्षण जाँच |
|---|---|---|
| अर्थ | प्रत्येक प्रविष्टि और गणना की जाँच | केवल चुनी हुई प्रविष्टियों के नमूने की जाँच |
| विस्तार | पूर्ण | आंशिक |
| समय और लागत | अधिक | कम |
| उपयुक्त | कम लेन-देन वाला छोटा व्यवसाय | सुदृढ़ आंतरिक नियंत्रण वाला बड़ा व्यवसाय |
| जोखिम | बहुत कम | कुछ गलतियाँ अनदेखी रह जाने का जोखिम |
| चयन का आधार | आवश्यक नहीं | विवेक या सांख्यिकीय प्रतिचयन |

व्यवहार में, आंतरिक नियंत्रण अच्छा होने पर अंकेक्षक परीक्षण जाँच चुनता है, क्योंकि तब नमूना पूरे का प्रतिनिधित्व करने की संभावना रखता है। नियंत्रण कमज़ोर हो तो नमूना बढ़ाना पड़ता है।

**प्रश्न 2(c)** 4 अंक · शब्द-सीमा ≈ 100–120 शब्द

### अंकेक्षक की रिपोर्ट में 'प्रमुख अंकेक्षण विषय' (Key Audit Matters) क्या हैं?

प्रमुख अंकेक्षण विषय (KAM) वे विषय हैं जो अंकेक्षक के पेशेवर निर्णय में चालू अवधि के वित्तीय विवरणों के अंकेक्षण में सबसे महत्वपूर्ण थे। इनका विवेचन SA 701 में है।

- **कहाँ बताए जाते हैं:** अंकेक्षक की रिपोर्ट के अलग खंड में।
- **लागू:** सूचीबद्ध इकाइयों के अंकेक्षण में, तथा अन्य इकाइयों में जहाँ अंकेक्षक उन्हें बताना तय करे।
- **चयन:** शासन के प्रभारियों से चर्चित विषयों में से, जैसे उच्च जोखिम के क्षेत्र, प्रमुख निर्णय या महत्वपूर्ण घटनाएँ।

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

- **विषयवस्तु:** विषय क्यों महत्वपूर्ण था और अंकेक्षक ने उसे कैसे निपटाया।

KAM रिपोर्ट को अधिक सूचनाप्रद बनाते हैं, पर वे संशोधित मत का विकल्प नहीं हैं।

**प्रश्न 2(d)** 4 अंक · शब्द-सीमा ≈ 100–120 शब्द

**अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर में ऑडिट ट्रेल (एडिट लॉग) की आवश्यकता पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।**

ऑडिट ट्रेल एक अभिलेख है जो दिखाता है कि लेखा-डेटा में किसने, कब और कौन-सा परिवर्तन किया।

- **कानूनी आवश्यकता:** कंपनी (लेखा) नियमों के अंतर्गत जो कंपनी खाते रखने के लिए अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर प्रयोग करती है, उसे ऐसा सॉफ्टवेयर चाहिए जिसमें हर लेन-देन और हर परिवर्तन का ऑडिट ट्रेल दर्ज करने की सुविधा हो। यह 1 अप्रैल 2023 या उसके बाद शुरू होने वाले वित्तीय वर्षों से लागू है।
- **विशेषताएँ:** लॉग में परिवर्तन की तिथि, उपयोगकर्ता, तथा पुराना और नया मान दिखना चाहिए, और इसे बंद या मिटाया नहीं जा सकता।
- **अंकेक्षक का कर्तव्य:** अंकेक्षक रिपोर्ट करता है कि सॉफ्टवेयर में यह सुविधा थी या नहीं, पूरे वर्ष चली या नहीं, और उससे छेड़छाड़ हुई या नहीं।

यह छिपे परिवर्तनों से बचाता है और धोखाधड़ी पकड़ने में सहायक है।

**प्रश्न 2(e)** 4 अंक · शब्द-सीमा ≈ 100–120 शब्द

**कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 139 के अंतर्गत अंकेक्षकों के रोटेशन की व्याख्या कीजिए।**

रोटेशन का अर्थ है कि एक ही अंकेक्षक अनिश्चित काल तक जारी नहीं रह सकता, ताकि स्वतंत्रता सुरक्षित रहे।

- **लागू:** सूचीबद्ध कंपनियाँ, तथा कुछ वर्ग की गैर-सूचीबद्ध सार्वजनिक और निजी कंपनियाँ जो निर्धारित चुकता पूँजी या उधार की सीमा पार करें।
- **व्यक्तिगत अंकेक्षक:** लगातार **पाँच वर्ष के एक कार्यकाल** से अधिक पद पर नहीं रह सकता।
- **अंकेक्षण फर्म:** लगातार **पाँच वर्ष के दो कार्यकाल** से अधिक नहीं।
- **शीतलन अवधि:** कार्यकाल पूरा होने पर अंकेक्षक या फर्म **पाँच वर्ष** तक पुनः नियुक्ति के योग्य नहीं रहती।
- **नेटवर्क फर्में:** शीतलन अवधि उन फर्मों पर भी लागू है जिनका कोई साझा भागीदार हो या जो एक ही नेटवर्क में हों।

## खण्ड – ब · दीर्घ उत्तर

**प्रश्न 3 · इकाई 1** 10 अंक · ≈ 600–700 शब्द

**अंकेक्षक को संचालित करने वाले मूलभूत नैतिक सिद्धांतों को समझाइए। अंकेक्षक की स्वतंत्रता के लिए कौन-से खतरे हैं और उनसे बचाव के उपाय क्या हैं?**

### भूमिका

अंकेक्षण तभी उपयोगी है जब वित्तीय विवरणों के उपयोगकर्ता अंकेक्षक के मत पर भरोसा करें। यह भरोसा अंकेक्षक के चरित्र और आचरण पर निर्भर है। इसीलिए भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (ICAI) ने IESBA की

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

अंतरराष्ट्रीय संहिता पर आधारित **आचार संहिता** जारी की है, जिसका पालन हर सदस्य को करना होता है। नैतिकता का अर्थ है सही आचरण के नियम, जो केवल कानून की माँग से आगे जाते हैं।

### मूलभूत सिद्धांत

1. **सत्यनिष्ठा:** सभी व्यावसायिक संबंधों में सीधा और ईमानदार रहना, और झूठी या भ्रामक सूचना से जुड़ाव न रखना।
2. **वस्तुनिष्ठता:** पक्षपात, हितों के टकराव या दूसरों के प्रभाव को पेशेवर निर्णय पर हावी न होने देना।
3. **व्यावसायिक योग्यता और उचित सावधानी:** ज्ञान और कौशल को अद्यतन रखना, और तकनीकी तथा व्यावसायिक मानकों के अनुसार परिश्रम से कार्य करना।
4. **गोपनीयता:** कार्य के दौरान मिली सूचना को उचित अधिकार के बिना बाहरी लोगों को न बताना, जब तक बताने का कानूनी या व्यावसायिक अधिकार या कर्तव्य न हो, और उसे निजी लाभ के लिए न प्रयोग करना।
5. **व्यावसायिक आचरण:** कानूनों का पालन करना और ऐसे कार्य से बचना जो पेशे की प्रतिष्ठा गिराए।

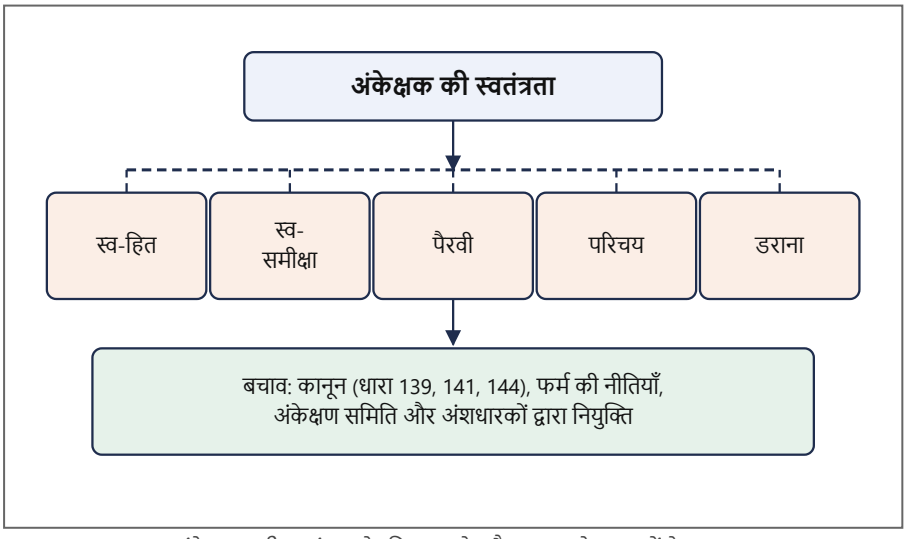
### स्वतंत्रता

स्वतंत्रता अंकेक्षण की नींव है। इसके दो भाग हैं:

- **मन की स्वतंत्रता:** वह मनोस्थिति जिसमें बाहरी प्रभाव से अप्रभावित रहकर मत बनाया जा सके।
- **दिखावट में स्वतंत्रता:** ऐसे तथ्यों और परिस्थितियों से बचना जो इतने महत्वपूर्ण हों कि कोई विवेकशील तीसरा व्यक्ति अंकेक्षक की सत्यनिष्ठा या वस्तुनिष्ठता पर संदेह करे।

### स्वतंत्रता के लिए खतरे

| खतरा | अर्थ | उदाहरण |
|---|---|---|
| स्व-हित | वित्तीय या अन्य हित निर्णय को प्रभावित करे | अंकेक्षक के पास क्लाइंट के अंश हों, या वह एक क्लाइंट की फीस पर बहुत निर्भर हो |
| स्व-समीक्षा | अंकेक्षक अपने ही पहले के कार्य का मूल्यांकन करे | अंकेक्षक ने ही क्लाइंट के खाते तैयार किए हों |
| पैरवी | अंकेक्षक क्लाइंट के पक्ष का समर्थन करे | विवाद में अंकेक्षक क्लाइंट की ओर से तर्क दे |
| परिचय | लंबा या निकट संबंध अंकेक्षक को अधिक सहानुभूतिपूर्ण बना दे | कई वर्षों तक वही अंकेक्षण भागीदार, या मुख्य पद पर रिश्तेदार |
| डराना | दबाव अंकेक्षक को वस्तुनिष्ठ कार्य से रोके | असहमति पर क्लाइंट अंकेक्षक को हटाने की धमकी दे |




*अंकेक्षक की स्वतंत्रता के लिए खतरे और बचाव के उपायों के प्रकार*

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

### बचाव के उपाय

- **कानून और पेशे द्वारा:** कंपनी अधिनियम, 2013 अंकेक्षक के अपने क्लाइंट के लिए कुछ सेवाएँ वर्जित करता है (धारा 144), जैसे लेखांकन और बहीखाता, आंतरिक अंकेक्षण, वित्तीय सूचना प्रणाली का डिज़ाइन, बीमांकिक और निवेश सलाह सेवाएँ; धारा 141 उस अंकेक्षक को अयोग्य करती है जिसके पास कंपनी की प्रतिभूतियाँ हों या जिस पर निर्धारित सीमा से अधिक ऋण हो; धारा 139(2) का रोटेशन परिचय के खतरे को संभालता है।
- **अंकेक्षण फर्म के भीतर:** गुणवत्ता नियंत्रण नीतियाँ, दूसरे भागीदार द्वारा कार्य की समीक्षा, टीम सदस्यों का रोटेशन, और सभी कर्मचारियों द्वारा अपने वित्तीय हित बताने का नियम।
- **क्लाइंट के भीतर:** अंकेक्षण समिति, जो अंकेक्षक की सिफ़ारिश और असहमतियों को संभालती है, और प्रबंधन नहीं बल्कि अंशधारकों द्वारा अंकेक्षक की नियुक्ति।
- **जब खतरा स्वीकार्य स्तर तक न घटे** तब अंकेक्षक को कार्य अस्वीकार करना या उससे त्यागपत्र देना चाहिए।

### उल्लंघन के परिणाम

संहिता का उल्लंघन करने वाले सदस्य पर चार्टर्ड अकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 के अंतर्गत व्यावसायिक या अन्य कदाचार के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई हो सकती है, जिसमें फटकार, जुर्माना या रजिस्टर से नाम हटाना शामिल है। कंपनी भी भ्रमित हो सकती है और अंकेक्षक पर कानूनी दायित्व आ सकता है।

### निष्कर्ष

नैतिक सिद्धांत और स्वतंत्रता अंकेक्षण को मूल्य देते हैं। चूँकि अंकेक्षक अंशधारकों के लिए कार्य करता है पर प्रायः कंपनी से पारिश्रमिक पाता है, इसलिए कानून और पेशा कई सुरक्षाएँ बनाते हैं, और अंतिम सुरक्षा अंकेक्षक की अपनी सत्यनिष्ठा है।

**प्रश्न 3 (अथवा) · इकाई 1** 10 अंक · ≈ 600–700 शब्द

## अंकेक्षक के सावधानी और कौशल के कर्तव्य की प्रकृति पर प्रमुख न्यायिक निर्णयों के संदर्भ में चर्चा कीजिए। क्या अंकेक्षक 'पहरेदार कुत्ता' है या 'शिकारी कुत्ता'?

### भूमिका

कानून अंकेक्षक से यह गारंटी नहीं माँगता कि खाते हर गलती या धोखाधड़ी से मुक्त हैं। वह अपेक्षा करता है कि अंकेक्षक एक योग्य पेशेवर की **उचित सावधानी और कौशल** से कार्य करे। 'उचित' क्या है, यह हर मामले के तथ्यों पर निर्भर है, और अदालतों ने इसे कई निर्णयों में समझाया है। इनमें से कई अंग्रेज़ी मुकदमे भारत में आज भी उद्धृत होते हैं क्योंकि कंपनी अधिनियम, 2013 का कर्तव्य इन्हीं सिद्धांतों पर चलता है।

### प्रमुख मुकदमे

**1. लंदन एंड जनरल बैंक (1895)**

बैंक की तरलता कमज़ोर थी और निदेशकों ने उसे छिपाया। अंकेक्षक ने निदेशकों को यह बताया पर अंशधारकों को अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट नहीं लिखा। न्यायालय ने कहा कि अंकेक्षक को अंशधारकों को सही स्थिति बतानी चाहिए, चाहे उससे कंपनी की साख को हानि हो। जहाँ वह जानता है कि निदेशकों का प्रमाणपत्र अविश्वसनीय है, वहाँ वह उससे संतुष्ट नहीं हो सकता।

*सिद्धांत: अंकेक्षक का कर्तव्य अंशधारकों के प्रति है, और छिपाया गया संदेह कर्तव्य का उल्लंघन है।*

**2. किंग्स्टन कॉटन मिल कंपनी (संख्या 2), 1896**

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

प्रबंधकों ने वर्षों तक स्टॉक का मूल्य बढ़ाकर दिखाया और काल्पनिक लाभ से लाभांश बाँटा गया। अंकेक्षकों ने प्रबंधकों के दिए स्टॉक प्रमाणपत्रों पर भरोसा किया। लोप्स एल.जे. ने कहा कि अंकेक्षक उत्तरदायी नहीं थे। अंकेक्षक **'पहरेदार कुत्ता है, शिकारी कुत्ता नहीं'**; उसे संदेह के साथ कार्य शुरू करने या यह मानने की आवश्यकता नहीं कि दूसरे बेईमान हैं। जब तक कुछ उसे पूछताछ के लिए प्रेरित न करे, वह ईमानदार और उचित रूप से सक्षम अधिकारियों पर भरोसा कर सकता है, पर संदेह का कारण उठने पर उसे कार्रवाई करनी होगी।

*सिद्धांत: सावधानी का स्तर परिस्थितियों पर निर्भर है, और दूसरों के कार्य पर सीमा तक भरोसा मान्य है।*

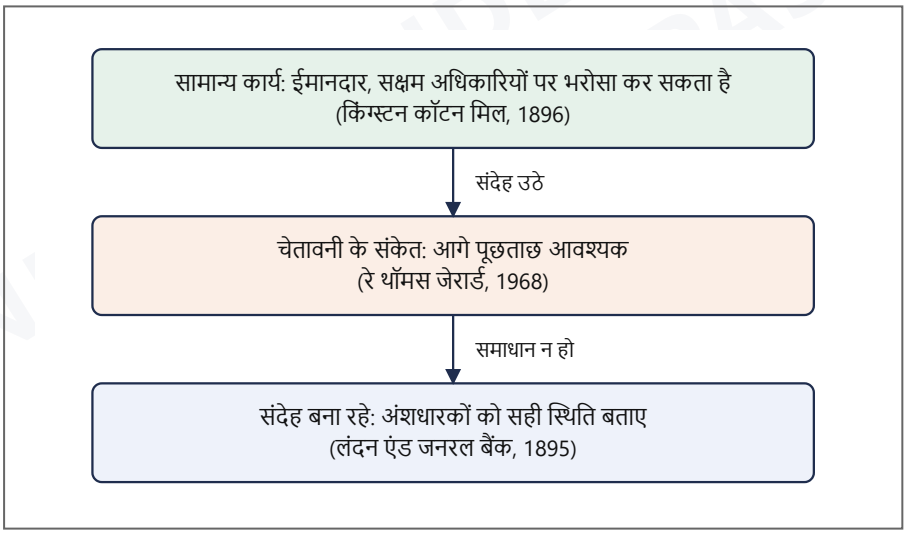
### 3. रे सिटी इक्विटेबल फायर इंश्योरेंस कंपनी (1925)

अध्यक्ष ने बड़ी धोखाधड़ी की थी। रोमर जे. ने स्थिति का सार दिया: अंकेक्षक को उचित सावधानी और कौशल बरतना चाहिए, वह बीमाकर्ता नहीं है, जासूस बनने को बाध्य नहीं है, और ज़िम्मेदार अधिकारियों की बात मान सकता है। अंकेक्षक उत्तरदायी नहीं ठहराए गए क्योंकि उन्होंने अपेक्षित मानक का पालन किया था। उन्होंने यह भी कहा कि सावधानी का मानक परिस्थितियों और पेशेवर ज्ञान की प्रगति के साथ बढ़ता है।

### 4. रे थॉमस जेरार्ड एंड सन लिमिटेड (1968)

प्रबंध निदेशक ने स्टॉक और लाभ बढ़ाने के लिए बीजकों में हेरफेर किया। अंकेक्षकों ने छेड़छाड़ के संकेत देखे पर आगे पूछताछ नहीं की। न्यायालय ने उन्हें उत्तरदायी ठहराया, क्योंकि परिवर्तनों से सावधान अंकेक्षक को संदेह होना चाहिए था।

*सिद्धांत: चेतावनी के संकेत हों तो अंकेक्षक को आगे जाँच करनी चाहिए और प्रबंधन के स्पष्टीकरण पर निर्भर नहीं रहना चाहिए।*




*मुकदमों से सीख: संदेह उठने पर अंकेक्षक का कर्तव्य भरोसे से पूछताछ की ओर बढ़ता है*

## पहरेदार या शिकारी?

| आधार | पहरेदार | शिकारी |
|---|---|---|
| रवैया | देखता है, संदेह पर चेतावनी देता है | गलत कार्य की खोज में रहता है |
| शुरुआती बिंदु | संदेह उठने तक ईमानदार प्रबंधन | शुरू से संदेह |
| कानूनी स्थिति | न्यायालयों द्वारा स्वीकृत | आवश्यक नहीं |

आधुनिक न्यायालय आरंभिक निर्णयों से अधिक अपेक्षा करते हैं। अंकेक्षण मानक, विशेषकर पेशेवर संशयवाद पर SA 200, अंकेक्षक से सतर्क मन रखने, प्रमाणों पर प्रश्न उठाने और धोखाधड़ी के जोखिम को गंभीरता से लेने को कहते हैं। इसलिए आज बेहतर वर्णन है: **सतर्क और संशयशील पहरेदार**।

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

### कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत कर्तव्य

धारा 143 अंकेक्षक को बहियों तक पहुँच और सूचना माँगने का अधिकार देती है, और उससे रिपोर्ट करने की अपेक्षा करती है कि खाते सही और उचित चित्र देते हैं या नहीं। धारा 143(12) उससे धोखाधड़ी की रिपोर्ट माँगती है। इन कर्तव्यों में चूक पर धारा 147 दंड और दायित्व का प्रावधान करती है।

### निष्कर्ष

मुकदमे दिखाते हैं कि अंकेक्षक का कर्तव्य उचित सावधानी का है, सभी धोखाधड़ी से बीमा का नहीं। अंकेक्षक को स्वतंत्र और ईमानदार रहना चाहिए, दूसरों पर तभी भरोसा करना चाहिए जब वह उचित हो, और परेशानी के संकेत मिलते ही अधिक सावधान हो जाना चाहिए।

**प्रश्न 4 • इकाई 2** 10 अंक · ≈ 600–700 शब्द

**अंकेक्षण जोखिम क्या है? इसके घटकों (अंतर्निहित जोखिम, नियंत्रण जोखिम और अन्वेषण जोखिम) को समझाइए और संख्यात्मक उदाहरण से अंकेक्षण जोखिम मॉडल का उपयोग दिखाइए।**

### भूमिका

कोई भी अंकेक्षण पूर्ण निश्चितता नहीं दे सकता, क्योंकि अंकेक्षक डेटा के केवल एक भाग की जाँच करता है, अनुमानों और निर्णयों पर भरोसा करता है, और भ्रमित भी किया जा सकता है। **अंकेक्षण जोखिम** वह जोखिम है कि वित्तीय विवरण भौतिक रूप से गलत होने पर भी अंकेक्षक अनुचित मत दे दे। SA 200 के अनुसार अंकेक्षण का लक्ष्य **उचित आश्वासन** पाना है, यानी इस जोखिम को स्वीकार्य रूप से कम स्तर पर रखना। इसलिए अंकेक्षक जोखिम की पहचान और आकलन करके अंकेक्षण की योजना बनाता है।

### अंकेक्षण जोखिम के घटक

अंकेक्षण जोखिम के दो भाग हैं: विवरणों में भौतिक गलती का जोखिम, और यह जोखिम कि अंकेक्षक उसे पकड़ नहीं पाएगा।

#### 1. अंतर्निहित जोखिम (IR)

किसी कथन के भौतिक रूप से गलत होने की संवेदनशीलता, यह मानकर कि कोई संबंधित नियंत्रण नहीं है। यह व्यवसाय और मद की प्रकृति पर निर्भर है। उदाहरण के लिए, नकदी चुराना भूमि की तुलना में आसान है, प्रावधान और डेरिवेटिव के मूल्यांकन जैसे अनुमान निश्चित भुगतानों से अधिक अनिश्चित हैं, और तेज़ी से बदलते उद्योग में अप्रचलित स्टॉक का जोखिम अधिक है।

#### 2. नियंत्रण जोखिम (CR)

यह जोखिम कि इकाई के आंतरिक नियंत्रण भौतिक गलती को समय पर रोकने या पकड़कर सुधारने में विफल रहेंगे। अंकेक्षक नियंत्रणों का अध्ययन और नियंत्रण परीक्षण करके इसका आकलन करता है। कर्तव्यों का कमज़ोर पृथक्करण या खराब आई.टी. नियंत्रण नियंत्रण जोखिम बढ़ाते हैं।

IR और CR इकाई में अंकेक्षण से स्वतंत्र रूप से मौजूद होते हैं। SA 315 (संशोधित) इन्हें मिलाकर **भौतिक गलती का जोखिम (RMM)** कहता है।

#### 3. अन्वेषण जोखिम (DR)

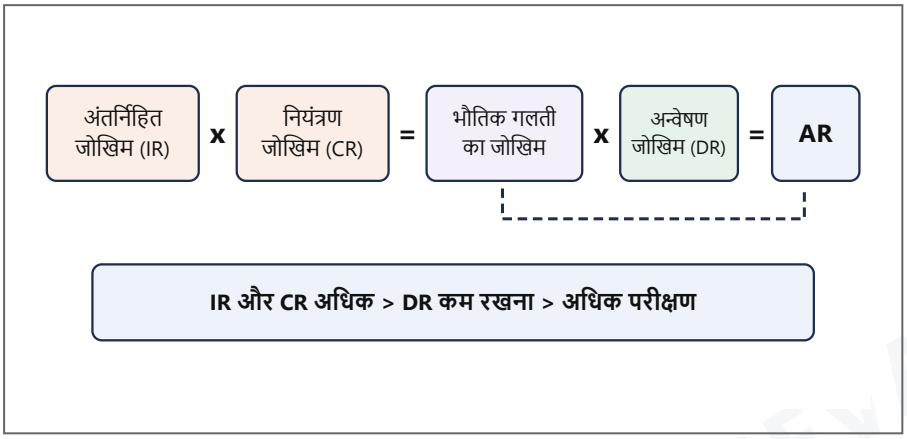
यह जोखिम कि अंकेक्षक की की गई प्रक्रियाएँ मौजूद भौतिक गलती को नहीं पकड़ पाएँगी। यह एकमात्र घटक है जिसे अंकेक्षक सारगत प्रक्रियाओं की प्रकृति, समय और विस्तार चुनकर नियंत्रित करता है। इसमें **प्रतिचयन जोखिम** (नमूना प्रतिनिधि नहीं है) और **गैर-प्रतिचयन जोखिम** (गलत प्रक्रिया या प्रमाण को गलत पढ़ना) भी शामिल हैं।

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

## अंकेक्षण जोखिम मॉडल

AR = IR × CR × DR (या AR = RMM × DR)

यह संबंध दिखाता है कि यदि अंकेक्षक कुल जोखिम का एक स्तर स्वीकार करता है, तो अनुमत अन्वेषण जोखिम आकलित गलती-जोखिम पर निर्भर होता है: **IR और CR का आकलन जितना अधिक, अन्वेषण जोखिम उतना कम रखना होगा**, इसलिए अधिक प्रमाण चाहिए।




*अंकेक्षण जोखिम मॉडल: AR = IR × CR × DR, और जोखिम आकलन का अंकेक्षण कार्य पर प्रभाव*

## संख्यात्मक उदाहरण

मान लीजिए अंकेक्षक कुल अंकेक्षण जोखिम 5% (0.05) स्वीकार करता है।

- **स्थिति क (सुदृढ़ नियंत्रण):** IR = 80% और CR = 50%। तब DR = 0.05 / (0.80 × 0.50) = 0.05 / 0.40 = **0.125 या 12.5%**। अंकेक्षक ऊँचा अन्वेषण जोखिम स्वीकार कर सकता है, इसलिए छोटे नमूने और कम सारगत परीक्षण पर्याप्त हैं।
- **स्थिति ख (कमज़ोर नियंत्रण):** IR = 100% और CR = 100%। तब DR = 0.05 / (1 × 1) = **0.05 या 5%**। अन्वेषण जोखिम कम रखना होगा, इसलिए अंकेक्षक बड़े नमूने जाँचता है और वर्ष-अंत के निकट अधिक प्रक्रियाएँ करता है।

## अंकेक्षक की प्रतिक्रिया

- **अधिक जोखिम पर:** अनुभवी स्टाफ लगाना, अधिक पेशेवर संशय रखना, अप्रत्याशित प्रक्रियाएँ अपनाना, अधिक विश्वसनीय प्रमाण लेना, वर्ष-अंत पर अधिक परीक्षण करना, और विशेषज्ञों पर विचार करना।
- **कम जोखिम पर:** परीक्षित नियंत्रणों पर भरोसा करना और सारगत परीक्षण घटाना।
- **महत्वपूर्ण जोखिम**, जैसे धोखाधड़ी का जोखिम और आय की पहचान, पर विशेष ध्यान चाहिए और उन्हें केवल नियंत्रण परीक्षण से नहीं संभाला जा सकता।

## सीमाएँ

मॉडल की संख्याएँ निर्णय हैं, सटीक मान नहीं। मॉडल यह भी मानता है कि घटक स्वतंत्र हैं, जो हमेशा सही नहीं होता। इसलिए इसका प्रयोग योजना-सहायक के रूप में होता है, गणितीय निश्चितता के रूप में नहीं।

## निष्कर्ष

अंकेक्षण जोखिम पूरे अंकेक्षण को आकार देता है। अंतर्निहित और नियंत्रण जोखिम का सावधानी से आकलन करके अंकेक्षक तय करता है कि कितना अन्वेषण जोखिम स्वीकार्य है और उसी के अनुसार परीक्षण की मात्रा की योजना बनाता है, जिससे अंकेक्षण प्रभावी और कुशल दोनों बनता है।

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

**प्रश्न 4 (अथवा) • इकाई 2** 10 अंक · ≈ 600–700 शब्द

**अंकेक्षक आंतरिक नियंत्रण प्रणाली का मूल्यांकन कैसे करता है? आंतरिक नियंत्रण प्रश्नावली, जाँच-सूची और प्रवाह-चार्ट को समझाइए तथा नियंत्रण परीक्षण और सारगत प्रक्रियाओं में अंतर कीजिए।**

## भूमिका

कितना परीक्षण करना है, यह तय करने से पहले अंकेक्षक को इकाई की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली को समझना और उसका मूल्यांकन करना होता है। सुदृढ़ प्रणाली नियंत्रण जोखिम घटाती है और कम सारगत परीक्षण की अनुमति देती है। कमज़ोर प्रणाली में अंकेक्षक को अधिक परीक्षण करना पड़ता है। मूल्यांकन तीन चरणों में होता है: प्रणाली को **अभिलिखित** करना, उसका **मूल्यांकन** करना और उसका **परीक्षण** करना।

## प्रणाली को अभिलिखित करने की विधियाँ

### 1. आंतरिक नियंत्रण प्रश्नावली (ICQ)

नकदी, क्रय और मज़दूरी जैसे प्रत्येक क्षेत्र पर प्रश्नों की मानक सूची, जिसका उत्तर क्लाइंट का स्टाफ देता है। प्रत्येक प्रश्न ऐसा बनाया जाता है कि 'हाँ' अच्छा नियंत्रण और 'नहीं' कमज़ोरी दिखाए, जैसे: 'क्या रोकड़ बही की प्रविष्टियाँ रोज़ रोकड़िए से भिन्न अधिकारी जाँचता है?' उत्तर कमज़ोर बिंदु शीघ्र दिखा देते हैं। यह पहले वर्ष के अंकेक्षण और बड़े क्लाइंट के लिए उपयुक्त है।

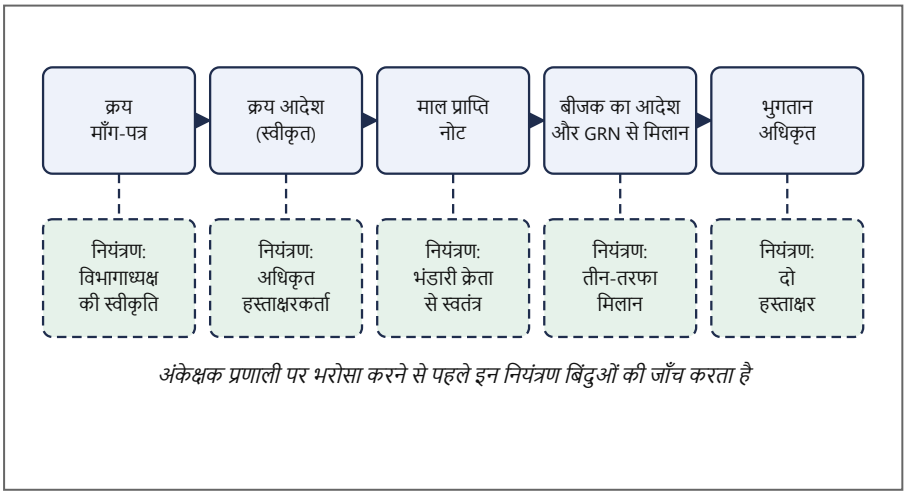
*सीमाएँ:* यह यांत्रिक हो सकती है, छोटे व्यवसाय के अनुकूल नहीं हो सकती, और यह नहीं दिखाती कि कार्य वास्तव में कैसे बहता है।

### 2. आंतरिक नियंत्रण जाँच-सूची

निर्देशों या बिंदुओं की श्रृंखला जिसे अंकेक्षक स्वयं या उसका सहायक अंकेक्षण के दौरान जाँचकर टिक करता है, जैसे 'जाँचिए कि भंडार खाताबही नियंत्रण खाते से मिलान की गई है'। जहाँ ICQ क्लाइंट भरता है, वहाँ जाँच-सूची अंकेक्षक का स्टाफ पूरी करता है, इसलिए वह **किए गए कार्य का प्रत्यक्ष प्रमाण** है। यह बार-बार होने वाले अंकेक्षण में उपयोगी है।

### 3. प्रवाह-चार्ट

एक आरेख जो लेन-देन की शुरुआत से अंत तक दस्तावेज़ों और गतिविधियों का प्रवाह और प्रत्येक चरण के उत्तरदायी व्यक्ति दिखाता है। यह प्रणाली की एक नज़र में तस्वीर देता है, छूटी हुई जाँच और दोहराव दिखाता है, और अद्यतन करने में आसान है। इसे बनाने में समय और कौशल लगता है, और बहुत बड़ी या जटिल प्रणाली में यह कठिन है।




*क्रय चक्र का सरल प्रवाह-चार्ट, नियंत्रण बिंदुओं सहित*

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

### तीनों विधियों की तुलना

| आधार | ICQ | जाँच-सूची | प्रवाह-चार्ट |
|---|---|---|---|
| रूप | प्रश्न | निर्देश | आरेख |
| कौन पूरा करता है | क्लाइंट का स्टाफ | अंकेक्षक का स्टाफ | अंकेक्षक |
| सर्वोत्तम उपयोग | प्रारंभिक समीक्षा | नियमित, दोहराए जाने वाले अंकेक्षण | प्रक्रिया-प्रवाह दिखाना |
| मुख्य गुण | तेज़ और पूर्ण | कार्य का प्रमाण | स्पष्ट चित्र |
| मुख्य दोष | यांत्रिक | कम विश्लेषणात्मक | समय लेने वाला |

### मूल्यांकन और परीक्षण

अभिलिखित करने के बाद अंकेक्षक सबल और दुर्बल बिंदुओं का अध्ययन करता है और तय करता है कि किन नियंत्रणों पर भरोसा करेगा। फिर वह **नियंत्रण परीक्षण** करता है ताकि पुष्टि हो कि नियंत्रण पूरी अवधि में चले, जैसे क्रय आदेशों के नमूने में स्वीकृति के हस्ताक्षर देखना, या बैंक समाधान को दोबारा करना।

### नियंत्रण परीक्षण बनाम सारगत प्रक्रियाएँ

| आधार | नियंत्रण परीक्षण | सारगत प्रक्रियाएँ |
|---|---|---|
| उद्देश्य | नियंत्रणों की संचालन-प्रभावशीलता जाँचना | राशियों में भौतिक गलतियाँ पकड़ना |
| ध्यान | प्रक्रिया और नियंत्रण | शेष, लेन-देन और प्रकटीकरण |
| उदाहरण | स्वीकृतियाँ देखना, कर्तव्यों का पृथक्करण देखना | देनदारों की पुष्टि, स्टॉक गिनना, व्यय का प्रमाणन |
| आवश्यक | जब अंकेक्षक नियंत्रणों पर भरोसा करना चाहे | भौतिक मदों के लिए सदैव |
| परिणाम | सारगत कार्य का विस्तार तय करता है | आँकड़े पर प्रत्यक्ष प्रमाण देता है |

भौतिक वर्ग के लेन-देनों के लिए सारगत प्रक्रियाएँ **सदैव आवश्यक** हैं, नियंत्रण चाहे जितने अच्छे हों, क्योंकि नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाएँ होती हैं।

### निष्कर्ष

ICQ, जाँच-सूची और प्रवाह-चार्ट अंकेक्षक को प्रणाली जानने में मदद करते हैं, जबकि नियंत्रण परीक्षण दिखाते हैं कि वह वास्तव में चली या नहीं। इस मूल्यांकन से निकला निष्कर्ष सारगत प्रक्रियाओं की प्रकृति, समय और विस्तार तय करता है, ताकि अंकेक्षण तर्कसंगत ढंग से नियोजित हो।

**प्रश्न 5 · इकाई 3** 10 अंक · ≈ 600–700 शब्द

## अंकेक्षण मानक (SAs) क्या हैं? उनकी आवश्यकता, भारत में उनकी कानूनी स्थिति और मानकों के मुख्य समूहों को उदाहरणों सहित समझाइए।

### भूमिका

अंकेक्षण मानक (SAs) वे व्यावसायिक नियम हैं जो वे मूल सिद्धांत और आवश्यक प्रक्रियाएँ बताते हैं जिनका अंकेक्षक को अंकेक्षण में पालन करना होता है। वे बताते हैं कि **अंकेक्षक को क्या और कैसे करना चाहिए**, ताकि अलग-अलग अंकेक्षकों के अंकेक्षण एक समान न्यूनतम गुणवत्ता तक पहुँचें। भारत में इन्हें भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (ICAI) का **अंकेक्षण और आश्वासन मानक बोर्ड (AASB)** जारी करता है, और ये IAASB के अंतरराष्ट्रीय अंकेक्षण मानकों (ISAs) पर आधारित हैं।

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

### अंकेक्षण मानकों की आवश्यकता

1. **एकरूपता:** सभी अंकेक्षक समान न्यूनतम प्रक्रियाएँ अपनाते हैं।
2. **गुणवत्ता:** कार्य का मापदंड, और सहकर्मी समीक्षा या निरीक्षण में उसकी जाँच का आधार।
3. **जनता का विश्वास:** वित्तीय विवरणों के उपयोगकर्ता जानते हैं कि अंकेक्षण स्वीकृत अनुशासन पर चलता है।
4. **मार्गदर्शन:** विशेषकर नए सदस्यों और छोटी फर्मों को जटिल विषयों पर।
5. **अंकेक्षक की सुरक्षा:** मानकों का पालन उसके कार्य पर प्रश्न उठने पर सशक्त बचाव है।
6. **अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति:** ISAs से अभिसरण विदेश में धन जुटाने वाली भारतीय कंपनियों की मदद करता है।

### भारत में कानूनी स्थिति

- कंपनी अधिनियम, 2013 की **धारा 143(10)** के अंतर्गत केंद्र सरकार राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (NFRA) से परामर्श करके ICAI द्वारा अनुशंसित अंकेक्षण मानक निर्धारित कर सकती है। ऐसे मानक अधिसूचित होने तक ICAI के जारी SAs लागू रहते हैं।
- धारा 143(9) हर अंकेक्षक से **मानकों का पालन** करने की अपेक्षा करती है।
- धारा 143(3)(e) और अंकेक्षक की रिपोर्ट में बताना होता है कि खाते लेखांकन मानकों का पालन करते हैं या नहीं, और रिपोर्ट स्वयं SA 700 के अंतर्गत बनती है।
- अनुपालन न करने पर चार्टर्ड अकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 के अंतर्गत ICAI की अनुशासनात्मक कार्रवाई हो सकती है, और NFRA के अधिकार-क्षेत्र वाली कंपनियों के लिए NFRA की कार्रवाई।

### SAs की संरचना

SAs शृंखलाओं में क्रमांकित हैं, और प्रत्येक शृंखला अंकेक्षण के एक चरण से संबंधित है।

| शृंखला | क्षेत्र | उदाहरण |
|---|---|---|
| 200 | सामान्य सिद्धांत और ज़िम्मेदारियाँ | SA 200 अंकेक्षक के समग्र उद्देश्य; SA 230 अंकेक्षण प्रलेखन; SA 240 धोखाधड़ी संबंधी ज़िम्मेदारी |
| 300-499 | जोखिम आकलन और प्रतिक्रिया | SA 300 योजना; SA 315 भौतिक गलती के जोखिमों की पहचान और आकलन; SA 320 भौतिकता; SA 330 आकलित जोखिमों पर अंकेक्षक की प्रतिक्रिया |
| 500-599 | अंकेक्षण प्रमाण | SA 500 अंकेक्षण प्रमाण; SA 505 बाहरी पुष्टि; SA 520 विश्लेषणात्मक प्रक्रियाएँ; SA 530 अंकेक्षण प्रतिचयन |
| 600-699 | दूसरों के कार्य का उपयोग | SA 610 आंतरिक अंकेक्षकों के कार्य का उपयोग; SA 620 अंकेक्षक के विशेषज्ञ के कार्य का उपयोग |
| 700-799 | निष्कर्ष और रिपोर्टिंग | SA 700 मत बनाना और रिपोर्टिंग; SA 701 प्रमुख अंकेक्षण विषय; SA 705 मत में संशोधन |

प्रत्येक SA में प्रायः परिचय, उद्देश्य, परिभाषाएँ, आवश्यकताएँ और प्रयोग-मार्गदर्शन होते हैं। आवश्यकताएँ, जो 'shall' शब्द से दिखाई जाती हैं, अनिवार्य हैं।

### उदाहरणों की व्याख्या

- **SA 200:** अंकेक्षक को उचित आश्वासन पाना, नैतिक आवश्यकताओं का पालन करना, और पेशेवर संशयवाद तथा निर्णय बनाए रखना चाहिए।
- **SA 230:** प्रलेखन ऐसा पर्याप्त हो कि अंकेक्षण से पहले किसी संबंध के बिना अनुभवी अंकेक्षक किए गए कार्य को समझ सके।
- **SA 570:** अंकेक्षक आकलन करता है कि चालू संस्था की धारणा का प्रयोग उचित है या नहीं।
- **SA 700:** रिपोर्ट में मत व्यक्त करना, उसका आधार बताना, और अन्य अपेक्षित खंड होना चाहिए।

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

### संबंधित मानक

SAs के अलावा ICAI **समीक्षा कार्य, आश्वासन कार्य और संबंधित सेवाओं के मानक**, तथा फर्म के गुणवत्ता नियंत्रण कर्तव्य बताने वाला **गुणवत्ता प्रबंधन मानक** भी जारी करता है। अंकेक्षण मानक **लेखांकन मानकों** (Ind AS और AS) से भिन्न हैं, जो कंपनी को खाते तैयार करना बताते हैं, जबकि SAs अंकेक्षक को उनका अंकेक्षण करना बताते हैं।

### निष्कर्ष

अंकेक्षण मानक अंकेक्षण को संरचना और अनुशासन देते हैं। भारत में उनका बढ़ता कानूनी समर्थन और अंतरराष्ट्रीय अभिसरण अंकेक्षण की गुणवत्ता और निवेशकों का विश्वास बढ़ा चुके हैं।

**प्रश्न 5 (अथवा) • इकाई 3** 10 अंक · ≈ 600–700 शब्द

## संयुक्त अंकेक्षण और शाखा अंकेक्षण को समझाइए। संयुक्त अंकेक्षकों में ज़िम्मेदारियाँ कैसे बँटती हैं और शाखा अंकेक्षक के कर्तव्य क्या हैं?

### भूमिका

बड़ी कंपनी का कार्य कई स्थानों पर फैला हो सकता है, या इतना बड़ा हो सकता है कि एक फर्म दिए गए समय में अंकेक्षण पूरा न कर सके। ऐसे में अंकेक्षण बाँटा जा सकता है। दो तरीके प्रचलित हैं: **संयुक्त अंकेक्षण**, जिसमें दो या अधिक अंकेक्षक मिलकर एक ही कंपनी का अंकेक्षण करते हैं, और **शाखा अंकेक्षण**, जिसमें शाखाओं के खातों का अलग अंकेक्षण होकर वे कंपनी के खातों में मिलाए जाते हैं।

### संयुक्त अंकेक्षण

**अर्थ:** जब दो या अधिक अंकेक्षक या फर्में एक ही इकाई के अंकेक्षण के लिए नियुक्त की जाती हैं और एक साझा रिपोर्ट देती हैं, तो वह संयुक्त अंकेक्षण है। यह बड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों, बैंकों और बड़ी निजी कंपनियों में आम है। SA 299 (संयुक्त अंकेक्षकों की ज़िम्मेदारी) इस व्यवहार को संचालित करता है।

**कार्य का बँटवारा:** संयुक्त अंकेक्षक आपसी सहमति से, लिखित रूप में, तय करते हैं कि अंकेक्षण कैसे बाँटें, जैसे शाखाओं, इकाइयों या स्थायी संपत्ति, स्टॉक या वेतन जैसे क्षेत्रों के अनुसार। बाँटा गया कार्य अभिलिखित होना चाहिए, और आवश्यकता होने पर अंकेक्षण के दौरान उसका पुनर्आवंटन हो सकता है।

**ज़िम्मेदारी:**

1. **पृथक ज़िम्मेदारी:** प्रत्येक संयुक्त अंकेक्षक केवल अपने को आवंटित कार्य और स्वयं किए कार्य के लिए ज़िम्मेदार है। वह दूसरे अंकेक्षक के क्षेत्र के लिए ज़िम्मेदार नहीं, जब तक उसे गलती की जानकारी होनी चाहिए थी।
2. **सामूहिक ज़िम्मेदारी:** सभी संयुक्त रूप से ज़िम्मेदार हैं:

(क) उस अंकेक्षण कार्य से संबंधित विषयों के लिए जो बाँटा नहीं गया;

(ख) प्रक्रियाओं की प्रकृति, समय और विस्तार पर सबके लिए गए निर्णयों के लिए;

(ग) **पूरे** वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट के लिए, इसलिए प्रत्येक को स्वयं संतुष्ट होना चाहिए कि दूसरे का कार्य साझा रिपोर्ट के लिए पर्याप्त है;

(घ) अपने क्षेत्र में देखी ऐसी बात दूसरों के ध्यान में लाने के लिए जो उनके कार्य को प्रभावित करे।

1. **रिपोर्ट:** एक रिपोर्ट सभी हस्ताक्षर करते हैं। किसी विषय पर असहमति हो तो प्रत्येक उस पर कारण बताते हुए अलग रिपोर्ट देता है।

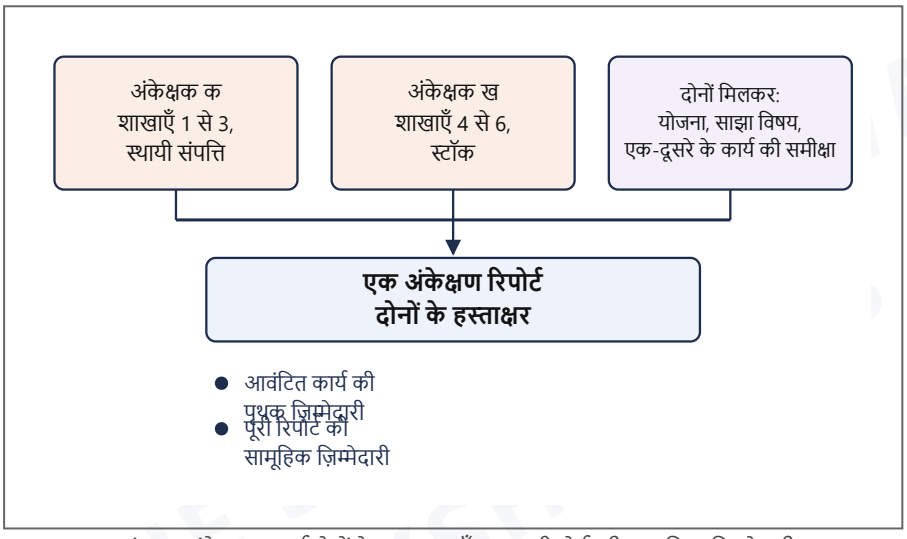
© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

### लाभ

- संयुक्त कौशल और अनुभव से कार्य जल्दी होता है।
- परस्पर जाँच से गुणवत्ता और विश्वसनीयता बढ़ती है।
- भौगोलिक रूप से फैले व्यवसाय के लिए उपयुक्त।
- अंकेक्षण रिपोर्ट की व्यापक स्वीकृति।

### हानियाँ

- ज़िम्मेदारी धुँधली हो सकती है, हर कोई मान सकता है कि दूसरे ने कार्य किया।
- समन्वय, असहमति और दोहराव की समस्याएँ।
- शुल्क बाँटना पड़ता है, और लागत अधिक हो सकती है।
- यदि कार्य केवल स्थान के आधार पर बँटे तो विशेषज्ञता के लिए कम स्थान।




*संयुक्त अंकेक्षण: कार्य क्षेत्रों के अनुसार बँटा, एक रिपोर्ट की सामूहिक ज़िम्मेदारी*

## शाखा अंकेक्षण

कंपनी अधिनियम, 2013 की **धारा 143(8)** इसका प्रावधान करती है। यदि कंपनी की कोई शाखा है, तो शाखा के खातों का अंकेक्षण या तो कंपनी के **अपने अंकेक्षक** द्वारा होता है या अंकेक्षक के रूप में नियुक्ति के योग्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जिसे कंपनी निर्धारित रीति से **शाखा अंकेक्षक नियुक्त** करती है। यदि शाखा भारत से बाहर है, तो शाखा अंकेक्षक उस देश के कानून के अनुसार योग्य लेखाकार हो सकता है।

### शाखा अंकेक्षक के कर्तव्य

- शाखा के खातों का अंकेक्षण करना और कंपनी के अंकेक्षक को रिपोर्ट देना, जिसे वह अपना मत बनाने में विचार में लेता है।
- रिपोर्ट में बताना कि शाखा के खाते सही और उचित चित्र देते हैं या नहीं, तथा बहियाँ, विवरणियाँ और कोई शर्त जैसे विषय।
- समान मानकों का प्रयोग करना, यद्यपि समग्र रिपोर्ट के लिए **कंपनी का अंकेक्षक** ही **ज़िम्मेदार** रहता है।

### कंपनी के अंकेक्षक के कर्तव्य

- तय करना कि शाखा अंकेक्षक का कार्य पर्याप्त है या नहीं, उसे आवश्यक सूचना पर निर्देश देना, और शाखा अंकेक्षक की रिपोर्ट की जाँच करना।
- स्पष्टीकरण माँगना, और अपनी रिपोर्ट में उस रिपोर्ट को उचित ढंग से लेना। वह शाखा अंकेक्षक से आवश्यक कोई भी और सूचना माँग सकता है।

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

### संयुक्त अंकेक्षण बनाम शाखा अंकेक्षण

| आधार | संयुक्त अंकेक्षण | शाखा अंकेक्षण |
|---|---|---|
| नियुक्ति | पूरी इकाई के लिए दो या अधिक अंकेक्षक | शाखा खातों के लिए अलग अंकेक्षक |
| रिपोर्ट | एक साझा रिपोर्ट | शाखा रिपोर्ट कंपनी अंकेक्षक को, जो पूरे पर रिपोर्ट देता है |
| ज़िम्मेदारी | पृथक और सामूहिक | समग्र रूप से कंपनी अंकेक्षक ज़िम्मेदार |

### निष्कर्ष

दोनों प्रणालियाँ बड़े और फैले व्यवसायों का अंकेक्षण गुणवत्ता खोए बिना समय पर करना संभव बनाती हैं। उनकी सफलता कार्य के स्पष्ट बँटवारे, अच्छे समन्वय और इस स्पष्ट समझ पर निर्भर है कि किसकी ज़िम्मेदारी क्या है।

**प्रश्न 6 • इकाई 4** 10 अंक · ≈ 600–700 शब्द

**भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) की भूमिका समझाइए। CAG द्वारा किए जाने वाले सरकारी अंकेक्षण के प्रकारों और निष्पादन अंकेक्षण की चर्चा कीजिए।**

### भूमिका

सार्वजनिक धन करों से जुटाया जाता है और सरकारें नागरिकों की ओर से उसे खर्च करती हैं। किसी स्वतंत्र संस्था को जाँचना चाहिए कि वह संसद और राज्य विधानमंडलों की मंशा के अनुसार खर्च हुआ या नहीं। भारत में यह कार्य **नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG)** करता है, जो **सर्वोच्च अंकेक्षण संस्था** का प्रमुख है। CAG को प्रायः सार्वजनिक धन का संरक्षक कहा जाता है।

### संवैधानिक स्थिति

- **अनुच्छेद 148:** CAG का प्रावधान करता है। उसे राष्ट्रपति नियुक्त करते हैं और केवल सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की रीति और आधारों पर ही हटाया जा सकता है, जो उसकी स्वतंत्रता की रक्षा करता है। नियुक्ति के बाद उसके वेतन और सेवा-शर्तें उसके अहित में नहीं बदली जा सकतीं।
- **अनुच्छेद 149:** CAG संघ, राज्यों और अन्य निकायों के खातों के संबंध में संसद द्वारा निर्धारित कर्तव्य और शक्तियाँ निभाता है। यह **CAG (कर्तव्य, शक्तियाँ और सेवा-शर्तें) अधिनियम, 1971** से होता है, जो उसका कार्यकाल छह वर्ष या 65 वर्ष की आयु, जो पहले हो, तय करता है।
- **अनुच्छेद 150:** संघ और राज्यों के खाते CAG की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित रूप में रखे जाते हैं।
- **अनुच्छेद 151:** संघ के खातों पर CAG की रिपोर्टें राष्ट्रपति को जाती हैं, जो उन्हें संसद में रखवाते हैं; राज्यों के खातों पर रिपोर्टें राज्यपाल को जाती हैं, जो उन्हें राज्य विधानमंडल में रखवाते हैं।

### कार्य

1. संघ और राज्य सरकारों की प्राप्तियों और व्यय का अंकेक्षण।
2. सरकारी कंपनियों और निगमों, तथा सरकार से पर्याप्त वित्तपोषित निकायों का अंकेक्षण।
3. आकस्मिकता निधियों और लोक लेखा का अंकेक्षण।
4. सरकारी कंपनियों के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की **धारा 139(5)** के अंतर्गत सांविधिक अंकेक्षकों की नियुक्ति करना और धारा 143(6) के अंतर्गत पूरक अंकेक्षण करना।
5. विधानमंडलों को अंकेक्षण रिपोर्टें प्रस्तुत करना, जिनकी जाँच **लोक लेखा समिति (PAC)** और सार्वजनिक उपक्रम समिति करती हैं।

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

## सरकारी अंकेक्षण के प्रकार

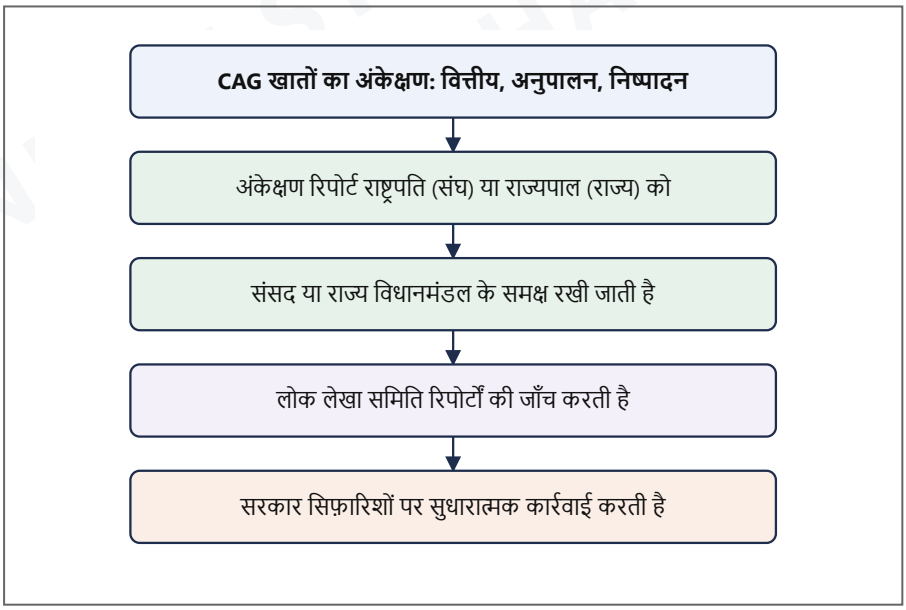
| प्रकार | उद्देश्य | उदाहरण-प्रश्न |
|---|---|---|
| वित्तीय अंकेक्षण | खाते सटीक और विश्वसनीय हैं या नहीं | क्या खाते सही स्थिति दिखाते हैं? |
| विनियोग अंकेक्षण | विधानमंडल द्वारा जिस उद्देश्य के लिए धन दिया गया, उसी पर खर्च हुआ या नहीं | क्या धन अनुदान की सीमा में और स्वीकृत उद्देश्य पर खर्च हुआ? |
| अनुपालन (नियमितता) अंकेक्षण | कानूनों, नियमों और आदेशों का पालन हुआ या नहीं | क्या निविदा के नियमों का पालन हुआ? |
| औचित्य अंकेक्षण | व्यय बुद्धिमानी से हुआ और अपव्यय से बचा गया या नहीं, भले तकनीकी रूप से वैध हो | क्या व्यय फिज़ूलखर्ची था? |
| निष्पादन अंकेक्षण | कार्यक्रम ने परिणाम मितव्ययिता, दक्षता और प्रभावशीलता से पाए या नहीं | क्या योजना उन लोगों तक पहुँची जिनके लिए थी? |

## निष्पादन अंकेक्षण

निष्पादन अंकेक्षण, या मूल्य-के-बदले-धन अंकेक्षण, **तीन 'E'** की जाँच करता है:

- **मितव्ययिता (Economy):** क्या सही गुणवत्ता के संसाधन न्यूनतम उचित लागत पर पाए गए?
- **दक्षता (Efficiency):** क्या प्रयुक्त संसाधनों से सर्वोत्तम उत्पादन मिला?
- **प्रभावशीलता (Effectiveness):** क्या कार्यक्रम ने अपने उद्देश्य और इच्छित प्रभाव पाए?

CAG जोखिम, महत्व और जनहित के आधार पर योजना या विभाग चुनता है, अंकेक्षण के उद्देश्य और मानदंड तय करता है, अभिलेखों की जाँच, क्षेत्र-भ्रमण और सर्वेक्षण से प्रमाण जुटाता है, निष्कर्षों पर विभाग से चर्चा कर उसके उत्तर शामिल करता है, और फिर विधानमंडल को रिपोर्ट देता है। उदाहरणों में ग्रामीण रोज़गार या सड़क कार्यक्रम जैसी बड़ी योजनाओं के अंकेक्षण शामिल हैं।




*CAG की अंकेक्षण रिपोर्टों का अंकेक्षण से विधानमंडल और लोक लेखा समिति तक प्रवाह*

## महत्व और सीमाएँ

CAG की रिपोर्टें अपव्यय, देरी और अनियमितता को सामने लाती हैं और कार्यपालिका को विधानमंडल के प्रति उत्तरदायी बनाती हैं। CAG सलाह और निष्कर्ष देता है, पर उसे दंड देने की शक्ति नहीं है; अनुवर्तन विधानमंडल और सरकार पर निर्भर है। CAG व्यय होने के बाद अंकेक्षण करता है, और आलोचक कभी-कभी महसूस करते हैं कि उसके निष्कर्ष देर से आते हैं।

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

### निष्कर्ष

CAG एक स्वतंत्र संवैधानिक प्राधिकारी है जो वित्तीय उत्तरदायित्व को मज़बूत करता है। साधारण वित्तीय और अनुपालन अंकेक्षण से निष्पादन अंकेक्षण की ओर उसका बढ़ना दिखाता है कि अंकेक्षण अब केवल यह नहीं पूछता कि धन वैध रूप से खर्च हुआ या नहीं, बल्कि यह भी कि वह अच्छी तरह खर्च हुआ या नहीं।

**प्रश्न 6 (अथवा) · इकाई 4** 10 अंक · ≈ 600–700 शब्द

**चर्चा कीजिए कि डेटा एनालिटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वचालन अंकेक्षण प्रक्रिया को कैसे बदल रहे हैं। ये अंकेक्षक के लिए कौन-से लाभ और जोखिम लाते हैं?**

### भूमिका

परंपरागत अंकेक्षण कागज़ी दस्तावेज़ों के **नमूने** की जाँच पर निर्भर था। आज अधिकांश लेन-देन इलेक्ट्रॉनिक रूप से, बहुत बड़ी मात्रा में, बनते, स्वीकृत होते और संग्रहित होते हैं। इसलिए अंकेक्षकों ने ऐसी तकनीक अपनानी शुरू की है जो पूरे डेटा-समूह की जाँच कर सके, असामान्य मदें पहचाने और नियमित कार्य स्वचालित करे। यह अंकेक्षण की हाल की प्रवृत्तियों का भाग है और मूल कंप्यूटर-सहायित अंकेक्षण तकनीकों (CAATs) से आगे जाता है।

### प्रयुक्त तकनीकें

**1. डेटा एनालिटिक्स**

अंकेक्षक ERP या लेखा प्रणाली से डेटा निकालता है और सॉफ्टवेयर से उसकी जाँच करता है।

- **पूर्ण समष्टि की जाँच:** 60 बीजक चुनने की जगह सॉफ्टवेयर सभी बीजकों में दोहराव, छूटे क्रमांक या स्वीकृति सीमा से अधिक भुगतान जाँचता है।
- **जर्नल प्रविष्टि जाँच:** SA 240 जर्नल प्रविष्टियों की जाँच माँगता है क्योंकि प्रबंधन नियंत्रणों को पार कर सकता है। एनालिटिक्स अजीब समय पर, छुट्टी के दिन, वरिष्ठ कर्मचारियों द्वारा, गोल राशियों वाली, या कम प्रयुक्त खातों में दर्ज प्रविष्टियाँ चिह्नित कर सकता है।
- **प्रवृत्ति और अनुपात विश्लेषण:** महीनों, शाखाओं और उत्पादों की तुलना करके बेमेल पैटर्न खोजना।
- **बेनफ़ोर्ड का नियम:** संख्याओं के पहले अंकों का सांख्यिकीय परीक्षण, जो हेरफेर किए गए आँकड़े खोजने में सहायक है।

**2. कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग**

- **विसंगति पहचान:** मॉडल सीखते हैं कि सामान्य लेन-देन कैसे दिखते हैं और जो उस पैटर्न से बहुत दूर हों उन्हें उजागर करते हैं, जो संभावित धोखाधड़ी खोजने में मदद करता है।
- **प्राकृतिक भाषा संसाधन:** अनुबंधों, बोर्ड की कार्यवाही और ईमेल में असामान्य खंड या संबंधित-पक्ष विवरण जैसे प्रमुख शब्द पढ़ना।
- **पूर्वानुमान:** पिछले डेटा से संदिग्ध ऋण जैसे जोखिम क्षेत्रों का अनुमान लगाना।

**3. रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन (RPA)**

सॉफ्टवेयर 'बॉट' शेष-पुष्टि अनुरोध भेजना, बैंक विवरण को खाताबही से मिलाना और दस्तावेज़ जुटाना जैसे दोहराव वाले कार्य करते हैं।

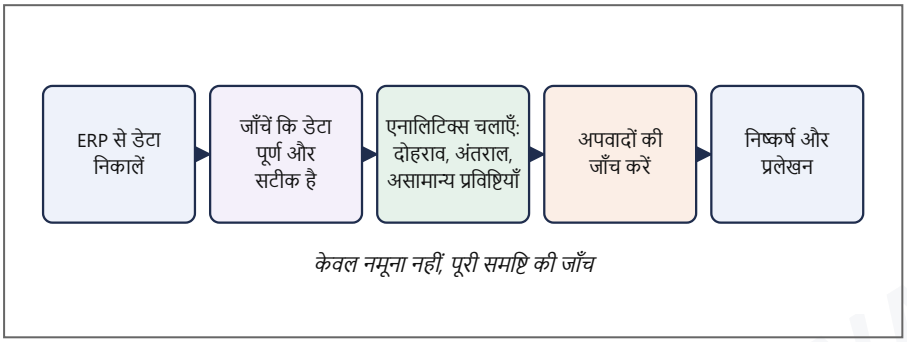
**4. सतत अंकेक्षण**

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

वर्ष में एक बार की जगह नियंत्रणों और लेन-देनों की लगभग वास्तविक समय में निगरानी होती है, और नियम टूटने पर चेतावनी मिलती है।

**5. ब्लॉकचेन और क्लाउड उपकरण**

जहाँ अभिलेख ब्लॉकचेन पर हैं, वहाँ उनकी अपरिवर्तनीयता और समय-मुद्रांकन लेन-देनों के अस्तित्व और इतिहास का सशक्त प्रमाण देते हैं। क्लाउड मंच टीमों को अलग-अलग स्थानों से एक ही फाइल पर कार्य करने में मदद करते हैं।




*अंकेक्षण में डेटा एनालिटिक्स की कार्यप्रणाली: डेटा निकालने से अपवादों के अनुवर्तन तक*

## लाभ

- **व्यापक कवरेज:** पूरी समष्टि की जाँच होती है, जिससे प्रतिचयन जोखिम घटता है।
- **बेहतर गुणवत्ता:** छिपे पैटर्न और धोखाधड़ी के संकेत पकड़े जाते हैं, और जोखिम आकलन अधिक सटीक होता है।
- **दक्षता:** नियमित कार्य तेज़ और कम गलतियों से होते हैं, इसलिए स्टाफ निर्णय पर ध्यान दे सकता है।
- **अंतर्दृष्टि:** क्लाइंट को अपनी प्रक्रियाओं की कमज़ोरियों पर उपयोगी जानकारी मिलती है।
- **प्रलेखन:** कार्य का पता लगाया और दोहराया जा सकता है, जो अंकेक्षण प्रमाण का समर्थन करता है।

## जोखिम और सीमाएँ

- **डेटा की सत्यनिष्ठा:** परिणाम उतना ही विश्वसनीय है जितना डेटा। अंकेक्षक को जाँचना होगा कि डेटा पूर्ण और सटीक है (जैसे खाताबही से मिलान करके)।
- **झूठे संकेत:** चिह्नित कई मदें हानिरहित हो सकती हैं, फिर भी समीक्षा चाहिए।
- **अति-निर्भरता और 'ब्लैक बॉक्स' मॉडल:** अंकेक्षक को समझना होगा कि उपकरण परिणाम तक कैसे पहुँचा, वह आँख मूँदकर उसे स्वीकार नहीं कर सकता।
- **कौशल और लागत:** प्रशिक्षित स्टाफ और उपकरणों में निवेश चाहिए, जो छोटी फर्मों के लिए कठिन है।
- **साइबर सुरक्षा और गोपनीयता:** क्लाइंट का डेटा संग्रह या भेजते समय सुरक्षित रखना होगा।
- **पेशेवर संशयवाद:** तकनीक निर्णय की जगह नहीं लेती। SAs के अंतर्गत मत की ज़िम्मेदारी अंकेक्षक की ही रहती है।

## अंकेक्षक की भूमिका

अंकेक्षक को फिर भी अंकेक्षण की योजना बनानी, क्या जाँचना है तय करना, परिणामों का मूल्यांकन और निष्कर्षों का प्रलेखन करना होता है। तकनीक **पद्धति** बदलती है, ज़िम्मेदारी नहीं। अंकेक्षकों को क्लाइंट के अपने आई.टी. नियंत्रणों की भी जाँच करनी होती है, क्योंकि डेटा की विश्वसनीयता उन्हीं पर निर्भर है।

## निष्कर्ष

डेटा एनालिटिक्स, AI और स्वचालन अंकेक्षण को अधिक व्यापक, तेज़ और अंतर्दृष्टिपूर्ण बनाते हैं, पर वे अंकेक्षक के निर्णय, संशयवाद और नैतिकता की आवश्यकता नहीं मिटाते। भविष्य का अंकेक्षक लेखा ज्ञान को

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

डेटा कौशल से जोड़ेगा।

ONLINE STUDENT SEVA · PARIKSHA PASS

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

## Exam Strategy परीक्षा रणनीति

1. Quote the section number whenever you can: Section 139 (appointment and rotation), 141 (eligibility), 143 (powers, duties, fraud reporting), 148 (cost audit). Examiners reward exact references.
2. Open each 10-mark answer with a one-line definition, then use headed points. A distinction table (for example vouching vs verification, internal check vs internal audit) is the quickest way to earn marks.
3. Learn the standard case names: Kingston Cotton Mill (1896), London and General Bank (1895), City Equitable Fire Insurance (1925). One case line per answer on duties shows depth.
4. For procedure questions (vouching, verification, CAATs) write in the order of the actual audit steps and end with the auditor's special points.
5. Know the four audit opinions and when each is issued: unmodified, qualified, adverse and disclaimer, and relate each to materiality and pervasiveness.
6. Add one up-to-date point in Unit 4 answers, such as audit trail in accounting software, data analytics, or the CAG's performance audit.
7. Attempt all five short questions; give each 4-mark answer about 100-120 words in four or five crisp points.

1. जहाँ संभव हो धारा संख्या लिखें: धारा 139 (नियुक्ति और रोटेशन), 141 (पात्रता), 143 (अधिकार, कर्तव्य, धोखाधड़ी की रिपोर्ट), 148 (लागत अंकेक्षण)। परीक्षक सटीक संदर्भों को अंक देते हैं।
2. हर 10 अंक के उत्तर की शुरुआत एक पंक्ति की परिभाषा से करें, फिर शीर्षकों के साथ बिंदु लिखें। अंतर की तालिका (जैसे प्रमाणन बनाम सत्यापन, आंतरिक जाँच बनाम आंतरिक अंकेक्षण) अंक पाने का सबसे तेज़ तरीका है।
3. प्रमुख मुकदमों के नाम याद रखें: किंग्स्टन कॉटन मिल (1896), लंदन एंड जनरल बैंक (1895), सिटी इक्विटेबल फायर इंश्योरेंस (1925)। कर्तव्यों के उत्तर में एक मुकदमे की पंक्ति गहराई दिखाती है।
4. प्रक्रिया वाले प्रश्नों (प्रमाणन, सत्यापन, CAATs) में वास्तविक अंकेक्षण चरणों के क्रम में लिखें और अंत में अंकेक्षक के विशेष बिंदु दें।
5. चार अंकेक्षण मतों को और उनके जारी होने की स्थिति को जानें: अपरिवर्तित, सशर्त, प्रतिकूल और मत से इनकार, और हर एक को भौतिकता तथा व्यापकता से जोड़ें।
6. इकाई 4 के उत्तरों में एक नया बिंदु जोड़ें, जैसे अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर में ऑडिट ट्रेल, डेटा एनालिटिक्स, या सी.ए.जी. का निष्पादन अंकेक्षण।
7. पाँचों लघु प्रश्न हल करें; प्रत्येक 4 अंक का उत्तर लगभग 100-120 शब्दों में, चार-पाँच संक्षिप्त बिंदुओं में लिखें।

**Final reminder / अंतिम सलाह:** This Demo Set shows how our answers are written. For the full sets, open the Pariksha Pass App. Whatever you practise, revise the entire syllabus. यह डेमो सेट हमारे उत्तरों की शैली दिखाता है। पूरे सेट के लिए परीक्षा पास ऐप खोलें। जो भी अभ्यास करें, पूरा पाठ्यक्रम दोहराएँ।

Online Student Seva · Pariksha Pass App · Edition Oct 2026

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

## Unlock the full sets in the Pariksha Pass App पूरे सेट परीक्षा पास ऐप में अनलॉक करें

**You have just seen one Demo Set.** The full Guessing Papers for your university, course and subject are available inside the **Pariksha Pass App**, brought to you by **Online Student Seva**.

**आपने अभी एक डेमो सेट देखा है।** आपके विश्वविद्यालय, कोर्स और विषय के पूरे गेसिंग पेपर **ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा** की **परीक्षा पास ऐप** में उपलब्ध हैं।

### What a full paper set contains

- Up to three sets for each subject: Set A (Most Probable), Set B (Highly Likely) and Set C (Alternate).
- In every set: 10 objective questions with explanations, 5 short-answer questions and 8 long-answer questions (4 units, each with an internal choice), all with model answers.
- Every answer in English and in full, independent Hindi, with labelled diagrams, tables and worked solutions where the subject needs them.
- A syllabus-coverage page, a list of the prescribed books and a subject-specific exam-strategy page.

### पूरे सेट में क्या मिलता है

- हर विषय के अधिकतम तीन सेट: सेट A (सबसे संभावित), सेट B (अधिक संभावित) और सेट C (वैकल्पिक)।
- हर सेट में: स्पष्टीकरण सहित 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न, 5 लघु उत्तरीय प्रश्न और 8 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 इकाइयाँ, प्रत्येक में आंतरिक विकल्प), सभी के आदर्श उत्तर सहित।
- हर उत्तर अंग्रेज़ी में और पूर्ण, स्वतंत्र हिन्दी में, जहाँ विषय को आवश्यकता हो वहाँ नामांकित चित्र, तालिकाएँ और हल किए गए उदाहरण सहित।
- पाठ्यक्रम-कवरेज पृष्ठ, अनुशंसित पुस्तकों की सूची और विषय-विशेष परीक्षा-रणनीति पृष्ठ।

**Please note / कृपया ध्यान दें:** Questions in the full sets are chosen from the syllabus on the basis of high-probability topic coverage. No set can promise which questions will appear in the examination, so always prepare the complete syllabus from your text book.

पूरे सेटों के प्रश्न पाठ्यक्रम से अधिक संभावित टॉपिक कवरेज के आधार पर चुने जाते हैं। कोई भी सेट यह वादा नहीं कर सकता कि परीक्षा में कौन-से प्रश्न आएँगे, इसलिए अपनी पाठ्यपुस्तक से पूरा पाठ्यक्रम अवश्य तैयार करें।

**Online Student Seva · Pariksha Pass App**
ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · परीक्षा पास ऐप

**Download Pariksha Pass App >**

Get all 3 full Guessing Paper sets on Google Play

© Online Student Seva · Exclusive property · Accessible only through the Pariksha Pass App · Copying, sharing or selling is strictly prohibited and will invite serious legal action.
© ऑनलाइन स्टूडेंट सेवा · विशेष संपत्ति · केवल परीक्षा पास ऐप पर उपलब्ध · कॉपी, शेयर या बिक्री पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।